5 साल बेमिसाल
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

मासिक कुमावत इंडिया

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com
Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-6 | अंक-5 दिसम्बर-2022 पृष्ठ-32 मूल्य : ₹ 20.00

Happy New Year 2023

Director
Mukesh Kumawat
93146-07695

Managing Director
C.M. Kumawat
98290-56063

Director
Lokesh Kumawat
97837-83123

CMT ARTS INDIA PVT LTD.

MANUFACTURER, EXPORTER, IMPORTER & WHOLESALER OF
All kind of : HANDICRAFT, GIFT AND SOUVENIR

Since 1976

Speciality :

1. Cedar Wood/ Kadamba wood with fine carving and half antique.
2. Sandalwood artifacts 3. Brass metal with turquoise work and Antique finish
4. Marble with painted & embossed art 5. Cultured marble 6. Soft stone 7. Miniature Art

Showroom :
"Sai-Villa", Plot No. 39, Mission Compound,
C-Scheme, Near Ajmer Puliya (Bridge)
Jaipur 302 001 (Raj.) Tel: +91-141-4041561

Residence :
F-31/A, Lal Bhadhur Nagar (W),
S.L. Marg, Main Road, Durgapura,
Tonk Road, Jaipur - 302018 (Raj.)

Email: cmtartsindia@gmail.com

Website : www.sandalwood.cn.com

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

मुख्य संरक्षक	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	**मो. 9414994006**
अध्यक्ष	:	रमेश कुमावत (गेदर)	**मो. 9414554322**
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	**मो. 9887440666**
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	**मो. 9414810584**
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	**मो. 9549656438**
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	**मो. 9829056063**
		हेमचन्द खड़गटा	**मो. 9351682036**
		रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	**मो. 9414074376**
		जयकिशन सोकिल	**मो. 9829125428**
		चेतन बालोदिया	**मो. 9414052736**
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	**मो. 9414263429**

सम्पादक मण्डल : रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) सम्पादक - 9414074376, जयसिंह गुड़ीवाल सह-सम्पादक 9461343432, गौरव अजमेरा 9829488824, प्रमोद कुण्डलवाल 9414362169, मनीष कुमावत 9660702083 **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, श्रीमती राजबाला बिर्थला 7976475370, प्रभुदयाल तुनगरिया किशनगढ़ 9680931428, अशोक कुमावत - 9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया तथा मुकेश कारगवाल 9828606056 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397 दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580 सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444 वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299 मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188 जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301 कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402 सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657 उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** जगदीश मामोडिया **मो. 9024805687** दयाशंकर रावड़िया **मो. 9414391034 ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493 किशनगढ़ :** नन्दकिशोर पारमवाल **मो. 9667090499 बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957 सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812 इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645**

प्रोसेसिंग व मुद्रक : राज ब्लॉक्स, चौड़ा रास्ता, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-600

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर सूचित अवश्य करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित सम्पादक राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

सम्पादकीय

हमारी व्यवस्था के दो घटक हैं व्यक्ति और समाज। व्यक्ति सही दिशा में चले उसका जीवन न्यायप्रियता और सदाचार से ओतप्रोत हो साथ ही उसके व्यक्तित्व में सद्भावना, सद्गुणों तथा सतकर्मों का वास हो यह जिम्मेदारी धर्मतंत्र, संस्कृति और आध्यात्म की है। व्यक्ति और समाज के बीच की महत्वपूर्ण कड़ी है परिवार। **परिवार प्रथम पाठशाला होती है जहां बालक अपने माता-पिता और परिवार के सदस्यों से नाना प्रकार की बातें सीखता है। इसमें है धर्म, नैतिकता, संस्कृति, पूजापाठ तथा बड़ों का आदर करना।** जिस परिवेश में बालक का लालन-पालन होता है वह उसी अनुरूप ढलकर समाज में शामिल होता है। यह बालक युवा होकर समाज की रचना में शामिल होता है।

मनुष्य में सात्विक, राजसी व तामसिक तीनों गुणों की प्रवृति होती है पर श्रद्धा, अंत:करण के अनुरूप होती है। इन गुणों के अनुसार धारणा व मान्यता बनती है। प्रवृत्तियों में अन्तर उनकी भावनाओं का ही भेद होता है जिसमें कल्याण के मार्ग की भावना होती है उसकी श्रद्धा सात्विक होती है, जिसका मन सुख, संपति व भोग में लगा हुआ है उसकी श्रद्धा राजसी है और जो केवल पैशाचिक कामनाओं की पूर्ति में मग्न है उसकी श्रद्धा तामसी है। तामसी व्यक्ति दूसरे की ऊर्जा शोषित करता है जबकि राजसी व्यक्ति दूसरों को अपनी शक्ति देता है। राजसी व्यक्ति द्वारा दी गई ऊर्जा सकारात्मक व नकारात्मक दोनों हो सकती है। नकारात्मक राजसी ऊर्जा व्यक्ति को दूसरे का नुकसान करके अपनी भी हानि करने के लिए प्रेरित करती है। इसके विपरीत सात्विक व्यक्ति की उपस्थिति में एक शांति प्रवाहित होती है इसके कारण अंदर के द्वंद क्षीण होने लगते हैं। सात्विक व्यक्ति अनासक्त होता है और वह सत्कर्म, सद्भाव व सद्विचारों में तल्लीन रहता है।

नववर्ष पर हमें आस्था व विश्वास के साथ प्रण लेना चाहिए कि हमारे व्यक्तित्व में सद्भावनाओं, सद्गुणों और सतकर्मों का वास हो ताकि हमारे देश का धर्मतंत्र जाग जाए। यदि हम धर्मतंत्र को परिष्कृत कर लेंगे तो राजतंत्र अपने आप सन्मार्ग के पथ पर अग्रसर होगा। हमें परिवार में बच्चों का लालन पालन सात्विक परिवेश में करना चाहिए, यही इस समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

वर्ष 2023 में 9 राज्यों में चुनाव होंगे। समय की मांग है कि **हम राजनीति में अंगद जैसा पांव जमाये।** यह तब ही सम्भव है जब समाज की एकता सुदृढ करे, हमारा समाज योग्य प्रत्याशियों का चयन करे, उन्हे राजनैतिक पार्टियों से टिकिट दिलवाने का तथा हम सभी उन्हे जिताने का भरसक प्रयास करे। **जब राजनैतिक चेतना जागृत होगी तब ही यह सम्भव हो पायेगा। अन्यथा फिर से हमारा समाज अगले 5 साल हासिये पर ही पडा रहेगा।** समय कम है इसलिए समय बरबाद नही करके अभी से जागो, उठ खडे हो जाओं, एकजुट हो जाओ तथा चल पडो इस मिशन पर। आइये, इस वर्ष हम हमारे समाज के प्रत्याशियों की जीत में सहभागी बने।

नव वर्ष पर आप सभी को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

- रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.in पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय	3
संरक्षक : श्री उमाशंकर कुमावत	4
बधाई विज्ञापन	4
विमला देवी कुमावत राष्ट्रीय सेवा सम्मान से सम्मानित	5
योग विद्या प्राणिक हीलिंग उपचार शिविर का आयोजन	5
स्मृति शेष : स्वर्गीय भवानी शंकर वर्मा आर्किटेक्ट	6
कुसुमलता सम्मानित, प्रियंका असिस्टेन्ट प्रोफेसर चयनित	6
नरेश बारवाल को स्वर्ण, राजेश कुमावत को पीएचडी, पवन कुमावत कोषाध्यक्ष नियुक्त	6
भाजपा ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर की जिला कार्यकारिणी का विस्तार	7
पुत्रवधु को गृह प्रवेश पर कार गिफ्ट में दी	7
श्री डूंगर राम गैदर द्वारा भारत जोडो यात्रा का स्वागत	7
ग्रैपलिंग राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता कुमावत खिलाड़ियों ने जीते पदक	7
उदयपुर में युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित	8
बार एसोसिएशन में विजयी रहे समाजजन	8
उदयपुर के इतिहास की बुकलेट प्रकाशित होगी	8
रक्तदान व चिकित्सा शिविर आयोजित	8
तनुष मण्डावरा को ब्रांज मैडल	8
नंदकिशोर परमार कुमावत सांसद प्रतिनिधि मनोनीत	8
नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का अपूर्व त्याग	9
राजपथ जो पहले था किंग्सवे, अब होगा 'कर्तव्य पथ'	9
75वीं हनुमत कथा का गरिमामय आयोजन	9
31वां सामूहिक विवाह सम्मेलन 26 जनवरी को	9
'प्रेम' आखिर क्या है ?	10
नया साल 2023	11
मोहिनी देवी कुमावत ने आँखें दान की	11
गायों की गोष्ठी	12
असिस्टेंट प्रोफेसर कॉलेज शिक्षा के पद पर चयनित शशि से 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की चर्चा	13
गणतंत्र दिवस-26 जनवरी	13
सूर्य के उत्तरायण में प्रवेश का पर्व मंकर संक्रान्ति	14
बधाई विज्ञापन	15
नव वर्ष कलेण्डर	16-17
यादों का सफरनामा-2022	18-20
स्वामी विवेकानन्द	21
लाल बहादुर शास्त्री	21
इन्हें भी आजमाइये	22
आओ संस्कृत सीखे	22
ज्योतिष में रोग और चिकित्सा	23
अखण्ड कुमावत नारी युवा शक्ति द्वारा द्वितीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजित	23
विशिष्ठ संरक्षक/श्रद्धांजलि	24
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	25
'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें	26
जयश्री कुमावत को ताइक्वांडो में प्रथम स्थान	27
समाज के उविभिन्न सेवाओं में चयनित म्मीदवार	27
प्रतिभावान पुलिस अधिकारीगण	27
बधाई विज्ञापन	28
श्रद्धांजलि विज्ञापन	29
कोरोना फिर से	29
बधाई विज्ञापन	30

संरक्षक

श्री उमाशंकर कुमावत

पुत्र स्व. श्री गिरधारीलाल चेजारा

52, उमापथ, रामनगर, सोडाला, जयपुर मो. 9829167380

श्री उमाशंकर कुमावत 25 वर्षों से जेमस्टोस का काम कर रहे हैं। इनका विवाह श्रीमती सुनीता कुमावत पुत्री श्री प्रकाश चंद जी किरोड़ीवाल निवासी सीकर से हुआ था। इनकी बेटी एमबीए कर रही है बेटा 11 क्लास में अध्यनरत है।

ये अपने कार्य में निपुण हैं, मृदु स्वभाव के है तथा सामाजिक कार्यों के लिए सदैव अग्रणीय रहते हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

'पर्दा है पर्दा' म्यूजिकल नाईट 8 जनवरी को

मोहन कुमार बालोदिया की म्यूजिकल नाइट ''पर्दा है पर्दा''8 जनवरी को महाराणा प्रताप सभागार, जेएलएन मार्ग, जयपुर में सायं 5 बजे से आयोजित की जायेगी। मोहन बालोदिया सदाबहार बॉलीवुड सॉग्स के गायक है तथा इनका यह 111वाँ शो है। इनके शो की जयपुरवासियों को सदैव प्रतीक्षा रहती है।

13 दिसंबर 2022 को

आदरणीय ब्याईजी साहब श्री मिश्री लाल जी छाबल्या

के जन्मदिन की 100वीं वर्षगांठ पर

हार्दिक शुभकामनाएं

शुभेच्छु

प्रियंका (गुड़िया) दोहिती, आशीष मारवाल (दोहिती-जंवाई), कुश (पोत्र), सुनिता, रामप्रकाश मारवाल (ब्याण जी -ब्याई जी) एवं समस्त मारवाल परिवार।

विमला देवी कुमावत राष्ट्रीय सेवा सम्मान से सम्मानित

विपरीत परिस्थिति से गुजरते हुए भी समाज सुधारने के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने वाले लोग बहुत कम होते हैं। इन्हीं में से एक है जयपुर की विमला देवी (दादी मां)। विमला देवी गरीब, कुपोषित, कचरा बीनने वाले बच्चों को अनेक वर्षों से नि:शुल्क पढ़ाने के साथ उनके रहने-खाने की व्यवस्था भी स्वयं कर रही है।

जयपुर महानगर टाइम्स का 25वां रजत महोत्सव बिरला आडिटोरियम, जयपुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विमला देवी (दादी मां) को **राष्ट्रीय सेवा सम्मान से सम्मानित** किया गया। दादी मां को यह सम्मान गरीब, असहाय कुपोषित बच्चों को शिक्षित करने के लिए दिया गया। दादी मां के इस स्कूल से कई बच्चें आज सरकारी सेवा में कार्यरत हैं तथा कई उच्च शिक्षण संस्थाओं में अध्यनरत हैं। इस अवसर पर राजस्थान के राज्यपाल माननीय श्री कलराज मिश्र, केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अनुराग ठाकुर, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष श्री सतीश पूनियां, राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री सी.पी. जोशी व शिक्षा मंत्री श्री बी.डी. कल्ला उपस्थित थे।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से **विमला देवी कुमावत** को **राष्ट्रीय सेवा सम्मान से सम्मानित** किए जाने पर **हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।**

योग विद्या प्राणिक हीलिंग उपचार शिविर का आयोजन

अनुकृति कुमावत की याद में टीम चेतन धुंधारिया के तत्वावधान में डॉ. राहुल अग्रवाल और डॉ. शैलजा अग्रवाल द्वारा संचालित योग विद्या प्राणिक हीलिंग फाउंडेशन ट्रस्ट ऑफ राजस्थान के द्वारा योग विद्या हीलिंग उपचार शिविर का आयोजन निर्माण नगर में किया गया। **कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि डॉक्टर निमिता भारती एम.एस. (गायनी)** पूर्व प्रमुख विशेषज्ञ (प्रसूति एवं स्त्री रोग) व विशिष्ट अतिथि श्रीमती संगीता सिंघल निदेशक शिवम डांस एकेडमी द्वारा दीप प्रज्वयलन कर किया गया।

टीम चेतन धुंधारिया के प्रवक्ता जयसिंह कुमावत ने बताया कि ऊर्जा पर आधारित इस स्पर्श-रहित, दवा-रहित उपचार पद्धति द्वारा इस शिविर में आए लोगों का उनकी परेशानी के अनुसार शारीरिक, भावनात्मक और मानसिक स्तरों पर उपचार किया गया। शिविर में भारी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। उपचार के बाद लोग संतुष्ट नजर आए व अपनी तकलीफ से राहत महसूस की। इस चिकित्सा पद्धति के लिए उनकी प्रतिक्रिया सकारात्मक थी। कार्यक्रम संयोजक दीपशिखा शर्मा, नीतू गैदर, सोनम कुमावत, भारती तोंदवाल, मीना कुमावत व सरिता भूपेश थी। रंजना शर्मा, पूजा शर्मा, वंदना गुप्ता, जय कुमार यादव, शुचि कालरा, ममता शर्मा, मनीष आचार्य, तरुण सोलंकी, मनीषा खेतान, भारती, अरुण, मीनाक्षी और भव्या ने शिविर में अपना योगदान दिया। इस अवसर पर चेतन कुमावत जिलाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर, युधिष्ठिर कुमावत कुमावत क्षत्रिय महासभा अध्यक्ष, राकेश कुमावत, सत्यनारायण कुमावत रिटायर्ड एडिशनल एसपी, नटवरलाल एडिशनल एसपी, खेमचंद खड़गटा, श्रवण कुमावत, पीयूष कुमावत, इंद्र कुमार बधानिया, भीम सिंह, नवल बबेरीवाल, मंगलचंद, रमेश तोंदवाल, रविंद्र भारती, भगवान सहाय, रमेश गैदर अध्यक्ष कुमावत इंडिया पत्रिका ने भी कार्यक्रम में शिरकत की।

प्रथम पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित : 7 दिसम्बर को अनुकृति कुमावत (विन्नी) की प्रथम पुण्य तिथि पर गुलाब उद्यान बनीपार्क में श्रद्धांजलि सभा तथा भजन संध्या आयोजित की गई। अनुकृति का विवाह 6 दिसम्बर, 2021 को हुआ था किन्तु ये दूसरे दिन ही इस दुनिया से हमेशा के लिए विदा हो गई थी।

स्वर्गीय श्री भवानी शंकर वर्मा आर्किटेक्ट

श्री भवानी शंकर वर्मा का जन्म 27.7.1939 को श्री गुलाब चन्द तोंदवाल नमक की मण्डी, जयपुर के यहां हुआ। ये अपने पिता की पांच संतानों में सबसे बड़े थे। श्री भवानी शंकर ने अपनी माताजी के देहांत के बाद स्वयं संघर्ष करते हुए आर्किटेक्ट की पढ़ाई पूर्ण की। यह पेशा तत्समय बहुत ही प्रतिष्ठा का था तथा हमारे समाज से जुड़ा हुआ था। उन्हें समाज की इस थाती को आगे बढ़ाने का मौका मिला। इन्होंने केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (CPWD) दिल्ली में वर्ष 1954 से 1989 तक सेवाएं दीं। भारत सरकार ने वर्ष 1979 में इन्हें योग्यता के आधार पर लीबिया सरकार के कन्सलटेन्ट के रूप में भेजा। जहाँ आपने पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से कार्य किया। **लीबिया सरकार ने इन्हें उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया।**

लीबिया से लौटकर आपने आर्किटेक्ट प्रोफेशन की निजी प्रेक्टिस की तथा भारतवर्ष में अनेक ख्यातनाम भवन बनवाये तथा आपको अनेक आर्किटेक्ट संस्थानों द्वारा व्याख्यान के लिए बुलाया जाता रहा है। आपने अपना पूरा जीवन एक वास्तुकार के रूप में समर्पित कर दिया। इस दौरान इस क्षेत्र के विद्यार्थियों को नि:शुल्क शिक्षण दिया। समाज के यह महान व्यक्तित्व 10 दिसम्बर 2022 को 84 वर्ष की आयु पूर्ण कर चिरनिद्रा में चले गये तथा ये हमारी स्मृतियों में स्वयं को समर्पित कर गये।

आपके पुत्र रमेश वर्मा मेडिकल एवं शिक्षण क्षेत्र में है, पुत्रवधु भारती राजकीय शिक्षिका एवं समाजसेविका है। आपकी दोनों पुत्रियां शिक्षाविद् हैं। आपके एक दामाद डॉ. पी.एम. कुमावत उज्जैन में हृदय रोग विशेषज्ञ तथा दूसरे दामाद श्री राजेन्द्र शिक्षा क्षेत्र में हैं। आपके एक पौत्र आभाष MNIT से आर्किटेक्ट में गोल्ड मैडल तथा दूसरे पौत्र अभिनन्दन ने बिडला उत्तम आर्किटेक्ट अवार्ड से सम्मानित है।

आपको विभिन्न संस्थाओं ने सम्मानित किया है जिनमें एलआईसी अवार्ड, इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट, राजस्थान चैप्टर तथा कुमावत श्री अवार्ड सम्मिलित हैं।

समाज के प्रतिष्ठित आर्किटेक्ट स्व. श्री भवानी शंकर वर्मा तोंदवाल को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार की ओर से सादर श्रद्धांजलि।

कुसुमलता POSOCO अवार्ड 2023 से सम्मानित

सुश्री कुसुमलता को 18 दिसम्बर, 2022 को आई.आई.टी. नई दिल्ली में उच्च स्तर की एम.टेक के लिए राष्ट्रीय स्तर पर POSOCO पावर सिस्टम अवार्ड 2023 से सम्मानित किया गया है। कुसुमलता जयपुर के जोबनेर कस्बे की रहने वाली है। इनके पिता डॉ. सेवाराम कुमावत, कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में प्रसार शिक्षा के प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है।

ग्रिड कंट्रोलर ऑफ इंडिया राष्ट्रीय बिजली प्रणाली के एकीकृत संचालन को सुनिश्चित करने के लिए शीर्ष निकाय है। मास्टर श्रेणी में पीपीएसए अवार्ड के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 15 डिग्रीयां चुनी जाती है। इस पुरस्कार के प्राप्तकर्ता को 40 हजार रुपए नकद और एक प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है।

नरेश बारवाल को कराटे में स्वर्ण पदक

ओम प्रकाश कुमावत, कुचामनसिटी के सुपुत्र **नरेश बारवाल** ने गोवा में चल रही राष्ट्रीय चैम्पियनशिप कराटे Sजीएफ़आई में स्वर्ण पदक जीतकर समाज का नाम रोशन किया है।

नरेश कुमावत को स्वर्ण पद जीतने पर हार्दिक बधाई। एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना।

प्रियंका कुमावत असिस्टेन्ट प्रोफेसर चयनित

किशनगढ़-रेनवाल कस्बे की अमरावाली ढाणी की प्रियंका कुमावत (एम.कॉम, एम. फिल) का चयन असिसटेंट प्रोफेसर के पद पर हुआ है। इनके पिता श्री सांवरमल कुमावत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हाथीपुरा में प्रधानाध्यापक हैं। प्रियंका कुमावत के असिस्टेंट प्रोफेसर चयनित होने पर 'कुमावत इण्डिया' पत्रिका परिवार की ओर से बधाई।

राजेश कुमार कुमावत को पीएचडी

राजस्थान विश्वविद्यालय की ओर से राजेश कुमार कुमावत को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। इन्हें उपाधि स्पेशियल एनलीसिस ऑफ ब्रिक किलन्स एंड ईट्स इम्पेक्ट ऑन इनवायर्न इन जयपुर डिस्ट्रीक्ट (राजस्थान) ए केस स्टडी ऑफ बस्सी तहसील/ विषय पर शोध के लिए प्रदान की गई। इन्होंने शोध कार्य प्रो.आरएन शर्मा के निर्देशन में पूर्ण किया।

पवन कुमावत जयपुर जिला पॉवर लिफ्टिंग एसोसिएशन कोषाध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई

भाजपा ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर की जिला कार्यकारिणी का विस्तार

पीयूष कुमावत जिला मंत्री नियुक्त

भाजपा ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत ने पीयूष कुमावत को जिला मंत्री नियुक्त किया है। कुमावत

15 वर्षों से भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता हैं। कुमावत सक्रियता के कारण ही भाजपा ओबीसी मोर्चा ने यह जिम्मेदारी दी है।

पीयूष कुमावत सदैव सामाजिक कार्यों में अग्रणी रहते हैं। ये कोविड-19 की विषम परिस्थितियों में अपनी जान की परवाह न करते हुए दिन रात कार्य किया था। पीयूष कुमावत ने जिलाध्यक्ष के निवास पर जाकर चेतन कुमावत का माला, साफा पहनाकर व मुंह मीठा करवाकर आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जयसिंह कुमावत जिला मंत्री ओबीसी मोर्चा, रमेश कुमावत, हिमांशु कुमावत, खेमचंद खडगटा, अमित कुमावत आदि मौजूद थे।

नीतू गैदर कार्यकारिणी सदस्य

भाजपा ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत ने अपनी कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए नीतू गैदर (कुमावत) को जिला कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया है। नीतू गैदर वर्तमान में कुमावत क्षत्रिय विकास समिति बरकत नगर की उपाध्यक्ष हैं। कुमावत क्षत्रिय विकास समिति के अध्यक्ष बाबूलाल ब्याडवाल, भाजपा ओबीसी मोर्चा महेश नगर मण्डल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बोदीलाल कुमावत ने भी बधाई दी। इस अवसर जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत ने कहा कि नीतू गैदर सामाजिक कार्यकर्ता, सरल स्वभाव, कर्मठ, जुझारू, युवा व ऊर्जावान महिला है। इस अवसर पर जयसिंह कुमावत जिला मंत्री ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर, ईश्वर लोट्या, रामप्रकाश मारवाल ने बधाई दी।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से दोनों पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई।

पुत्रवधु को गृह प्रवेश पर कार गिफ्ट में दी

सीकर के समाजसेवी व भामाशाह श्री चतुर्भुज कुमावत के सुपुत्र सुनील की शादी गोरियां निवासी किशोर कुमावत की पुत्री आरती से हाल ही में हुई। उन्होने केवल 1 रुपया शुगुन में लिया तथा बिना कोई दहेज लिए शादी की। इस अवसर पर 11 लाख रुपये जिले की गौशालाओं में विकास हेतु दिये तथा श्री चतुर्भुज कुमावत ने अपनी बहू आरती कुमावत को गृह प्रवेश में कार गिफ्ट कर एक अनूठा उदाहरण पेश किया।

श्री कुमावत ने बताया कि बहु ही हमारी बेटी है और बेटी के आगमन से परिवार में खुशी का माहौल है। नवविवाहित पुत्रवधु ने गिफ्ट की हुई कार चलाकर गृह प्रवेश किया तथा समाज मे नारी शक्ति व वधु ही बेटी है कि कहावत को चरितार्थ करते हुए ससुराल में कदम रखा। उल्लेखनीय है कि चतुर्भुज कुमावत श्री कुमावत हथीटीबा बगीची के अध्यक्ष भी है एवं जिले की बड़ी गौशालाओं में संरक्षक की है। ये कांग्रेस पार्टी से मनोनीत पार्षद भी है। कुमावत की इस पहल से जिले में दहेज प्रथा के विरुद्ध एक बड़ा संदेश गया है एवं समाज के लोगों ने भामाशाह कुमावत के इस कार्य की सराहना की है।

श्री डूंगर राम गैदर द्वारा भारत जोडो यात्रा का स्वागत

16.12.2022। दौसा में शिल्प एवं माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष एवं राज्य मंत्री श्री डूंगर राम गेदर द्वारा भारत जोडो यात्रा हेतु स्वागत कार्यक्रम रखा गया। स्वागत कार्यक्रम में स्थानीय समाज के युवाओं, महिलाओं सहित सैकडों गणमान्य सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा श्री राहुल गांधी सहित भारत जोडो यात्रा में शामिल यात्रियों का फूल बरसाकर स्वागत व अभिनंदन किया गया। भारत जोडो यात्रा 7 सितम्बर 2022 को कन्याकुमारी से शुरू होकर 3570 किमी. लंबी, 150 दिन चलकर इस पदयात्रा का समापन श्रीनगर में होगा। यात्रा ने लगातार चलते हुए आज 100वां दिन पूरा किया है। बताया गया है कि इस यात्रा का मकसद सत्य और अहिंसा के रास्ते संघर्ष करते हुए भारत को जोडना एवं देश में गरीबी, महंगाई एवं बेरोजगारी जैसे कई जमीनी मुद्धों को यात्रा के माध्यम से उठाना है।

ग्रैपलिंग राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता

कुमावत खिलाड़ियों ने जीते पदक

ग्रैपलिंग कुश्ती की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राजस्थान ने दूसरा स्थान प्राप्त किया, साथ ही कुमावत समाज के खिलाडी रिया कुमावत, रानी कुमावत, पायल कुमावत ने स्वर्ण पदक, मनीष कुमावत, नितेश कुमावत, आदित्य कुमावत ,धीरज कुमावत , निलेश कुमावत, मनोज कुमावत ने कास्य पदक जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर समाज का नाम रोशन किया है। सभी खिलाड़ियों के राजस्थान आगमन पर सांसद माननीय श्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया।

उदयपुर में युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित

कुमावत समाज पाँच खेड़ा संस्थान उदयपुर द्वारा 18 दिसम्बर को अविवाहित युवक युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ श्रीराम की पूजा एवं दीपप्रज्वलन से हुआ।

संस्थान के अध्यक्ष दया शंकर भदानिया, महामन्त्री लक्ष्मीलाल बातरा, उपाध्यक्ष मोहन धनारिया, सचिव भगवती लाल माननीया, कोषाध्यक्ष पंकज टाँक, संगठन मंत्री अनूप टाँक, प्रचार मंत्री पुरुषोत्तम उदीवाल, एवं कार्यालय मंत्री शंकरलाल भदानिया पाँच खेड़ा संस्थान, सभी क्षेत्रीय पँचायत अध्यक्ष रमेश भदानिया, भाग चन्द्र बातरा, माणक बबेरिवाल, ख्याली लाल टाँक, श्याम सुंदर माननीया पूर्व महामन्त्री पाँच खेड़ा कन्हैयालाल नाहर अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण मंदिर पाँच खेड़ा संस्थान का मंच पर आयोजन कमिटी पाँच खेड़ा संस्थान ने उपरना ओढाकर सम्मान किया।

तत्पश्चात परिचय सम्मेलन के संयोजक दया शंकर रावड़िया द्वारा स्वागत उद्बोधन एवं संस्थान अध्यक्ष दया शंकर भदानिया द्वारा उद्बोधन दिया गया। मंच का संचालन श्रीमती पायल टाँक द्वारा किया और सम्मेलन में पधारे अविवाहित युवक युवतियों का परिचय कराया। महाराष्ट्र, गुजराज, मध्यप्रदेश, राजसमन्द, भीलवाड़ा, पाली, जोधपुर, चित्तौड़, निम्बाहेड़ा, उदयपुर आदि क्षेत्रों से 171 युवक युवतियों ने अपना परिचय दिया। कई युवक युवतियों के अभिभावक ने आपस मे चर्चा भी की।

बार एसोसिएशन में विजयी रहे समाजजन

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन,जयपुर के चुनाव में उपाध्यक्ष सुमित्रा कुमावत तथा कार्यकारणी सदस्य पद हेतु नंदकिशोर कुमावत, सीताराम कुमावत के विजयी होने पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

उदयपुर के इतिहास की बुकलेट प्रकाशित होगी

- **युवा पीढ़ी जान पायेगी गली-मुहल्ले का इतिहास**
- **महापौर श्री गोविन्द सिंह टांक ने लिया संकल्प**

उदयपुर नगर निगम प्रशासनिक समिति की बैठक में पार्षदों की उपस्थिति में निर्णय लिया गया कि उदयपुर के इतिहास की एक बुकलेट प्रकाशित की जायेगी, जिसमें उदयपुर की गली-मौहल्लों के नामों का इतिहास संकलित होगा। इस कार्य के लिए इतिहासकारों एवं शोधार्थियों की सहायता ली जायेगी तथा उसके इतिहास तथा हेरिटेज को इसमें सम्मिलित किया जायेगा। इससे उदयपुर आने वाले पर्यटक और युवा पीढ़ी यहां के इतिहास को निकटता से जान पायेगी।

रक्तदान व चिकित्सा शिविर आयोजित

स्वामिनी सेवा संस्था द्वारा रक्तदान शिविर एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन सोडाला, जयपुर में किया गया। जिसमें लोगों ने बडे उत्साह के साथ रक्तदान किया व चिकित्सा शिविर का लाभ उठाया। शिविर में 65 रक्तवीरों ने रक्तदान किया। कार्यक्रम में प्रतापसिंह खाचरिवास व मुनेश गुर्जर महापौर हैरिटेज नगर निगम ने शिरकत की। इस अवसर पर संस्था द्वारा नववर्ष 2023 के कलेंडर का विमोचन भी किया गया। संस्था के अध्यक्ष अशोक कुमावत ने सभी रक्तवीरों को धन्यवाद दिया।

तनुष मण्डावरा को ब्रांज मैडल

बीकानेर में 28 नवम्बर-1 दिसम्बर, 2022 को आयोजित 66वीं राज्य स्तरीय विद्यालयी रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता, 2022 की 17-19 वर्ष आयु वर्ग में तनुष मण्डावरा अलवर ने कुशल प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान पर रहे तथा ब्रांज मैडल जीता।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से तनुष मण्डावरा तथा उनके परिवार को हार्दिक बधाई।

नंदकिशोर परमार कुमावत सांसद प्रतिनिधि मनोनीत

मंदसौर में जिला पंचायत मंदसौर की कृषि समिति से संबंधित बैठकों एवं विभाग से संबंधित कार्यक्रमों के लिए सांसद प्रतिनिधि के रूप में नंदकिशोर परमार कुमावत निवासी कुचड़ोद का नाम, सांसद श्री सुधीर जी गुप्ता के द्वारा प्रस्तावित किया गया है। श्री नंदकिशोर परमार युवा व जागरूक समाजसेवी है एवं सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं। आसपास के क्षेत्र में इनकी लोकप्रियता है। सांसद प्रतिनिधि के रूप में यह लंबे समय से क्षेत्र में सेवायें दे रहे हैं। शांत स्वभाव के श्री कुमावत जी हर संभव मदद करने के लिए जाने जाते हैं।

'**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से श्री नंदकिशोर परमार कुमावत को बधाई।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का अपूर्व त्याग

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ऐसे महान क्रान्तिकारी हुए हैं, जिन्होंने न केवल मात्र भारत की जनता के मन का सम्मान अर्जित किया था, अपितु जर्मनी के तानाशाह हिटलर, जापान के तत्कालीन शासक तोजो तथा सिंगापुर, इण्डोनेशिया आदि देशों के शासकों एवं लोगों के दिल भी जीते थे। आश्चर्य की बात तो यह है कि उनके धुरविरोधी अंग्रेज भी उनकी कुछ बातों के कायल थे। सुभाष का एक गुण था 'ईमानदारीपूर्वक त्याग' इस गुण ने तत्कालीन अंग्रेज अफसरों को बहुत प्रभावित किया था।

हुआ यूँ था कि सुभाष बाबू वर्ष 1934 ई. में क्रान्तिकारी चितरंजनदास की स्वराज पार्टी से चुनाव लड़े और कलकत्ता नगर निगम के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी बने। इस महत्वपूर्ण पद के अधिकारी का वेतन तब तीन हजार रुपये प्रतिमाह था। इतना वेतन उस समय में बड़ी बात थी, क्योंकि अनेक अंग्रेज अफसरों तक तो इतना वेतन नहीं मिलता था। मगर जब नेताजी इस पद पर नियुक्त किये गये, तब उन्होंने सबसे पहले अपने वेतन का त्याग किया। उन्होंने तीन हजार के बजाए मात्र 1500 रुपये प्रतिमाह वेतन लेना तय किया। उन्होंने कहा था-'यह वेतन जनता की जेब से निकाले गये पैसे से दिया जाता है, जबकि जन-जन भूख से व्याकुल है, निर्धनता के चंगुल में है और देश परतन्त्रता की बेड़ियों में जकड़ा हुआ है, तब मैं उनके खून-पसीने से अर्जित किये गये धन में से इतना वेतन कैसे ले सकता हूँ?'

सुभाष बाबू ने कलकत्ता नगर निगम को धनी लोगों के नियंत्रण से छुड़वाकर निर्धनों का हित करने वाला निगम बना दिया। पहले निगम धनवान लोगों का अड्डा था, किंतु सुभाष बाबू के आने से वहाँ निर्धनों की सुनी जाने लगी। यह उनका पहला प्रशासनिक कार्यानुभव था, जिसमें वे पूर्णत: सफल रहे थे।

- प्रो. बी.के. कुमावत
वरिष्ठ लेखक एवं चिंतक, उज्जैन

राजपथ जो पहले था किंग्सवे, अब होगा 'कर्तव्य पथ'

राजपथ रायसेना हिल राष्ट्रपति भवन से लाल किला तक स्थित सड़क है। इसी पर विजय चौक और इण्डिया गेट है। इसी सड़क पर गणतंत्र दिवस परेड का 26 जनवरी को आयोजन होता है। जिसमें राष्ट्रपति तीनों सेनाओं की सलामी लेते हैं।

जब नई दिल्ली अंग्रेजों द्वारा बनाई गई तो यहां चौड़ी-चौड़ी सड़के बनी, इसे बनाया था, ठेकेदार सरदार नारायण सिंह ने। इन सड़कों का नाम रखने के लिए सुझाव ब्रिटिश इतिहासकार जो सेंट स्टीफेंस कॉलेज में 1924-40 तक पढाते थे, को देने को कहा। उनके सुझाव पर राजपथ का नाम किंग्सवे रखा गया था। वर्ष 1961 में किंग्सवें सड़क का नाम बदलकर राजपथ किया गया था। इस सड़क के दोनों ओर मखमली हरी घास और जामुन के पेड़ लगाये गये थे। साथ ही सुगन्धित फूलों के पौधों की क्यारियां लगाई गई थीं, जिनके लिए राजस्थान के माली नियुक्त किये थे। इस स्थान पर बैठकर हजारों लोगों ने सर्दियों में धूप का आनन्द लिया है। यहाँ की इमारतें राष्ट्रपति भवन, साउथ और नार्थ ब्लॉक आदि निर्माण राजस्थान के धौलपुर के पत्थरों से हुआ था, जिनकी मजबूती व आकर्षण देखते ही बनता है।

इसी राजपथ का नाम अब "**कर्तव्यपथ**" कर दिया गया है। यह नाम विशेषकर राजनेताओं को उनके कर्तव्यों का बोध करायेगा ऐसी उम्मीद है।

75वीं हनुमत कथा का गरिमामय आयोजन

श्रद्धैय श्री अकिंचन जी महाराज के सान्निध्य एवं कथा रस प्रवाह, हरिनाम संकीर्तन परिवार के तत्वावधान में 108श्री हनुमत कथाओं की श्रृंखला में श्री हनुमत कथा का (75वां आयोजन) 19 दिसंबर से 23 दिसंबर 2022 तक ई-28, लालबहादुर नगर, 3rd. एवेन्यू, जेएलएन मार्ग, जयपुर पर किया जा रहा है। श्री अकिंचन जी महाराज के इस पावन कार्य से अनेक श्रोता लाभ उठा चुके हैं।

महाराज श्री कथा के दौरान हनुमान चालीसा की प्रत्येक चौपाई व दोहे का विस्तार से विवेचन करके बताते हैं।

सूचना

31वां सामूहिक विवाह सम्मेलन 26 जनवरी को

श्री कुमावत क्षत्रिय सामूहिक विवाह समिति (रजि.) जयपुर द्वारा आयोजित 31वाँ सामूहिक विवाह सम्मेलन बसन्त पंचमी, गुरुवार, 26 जनवरी, 2023 को ढाणी कुमावतान, लक्ष्मी निवास के सामने, डिग्गी मालपुरा रोड, सांगानेर, जयपुर पर आयोजित किया जाएगा।

'प्रेम' आखिर क्या है ?

'प्रेम' शब्द संस्कृत से आया है। प्रेम अन्तर्मन की भावना है, प्रेम वह अभिव्यक्ति है जो एक जीवात्मा को दूसरी से जोड़ती है। प्रेम का अर्थ है निस्वार्थ भाव तथा स्वेच्छा से किसी के प्रतिपूर्ण समर्पण या त्याग करना, जो किसी के हित एवं प्रसन्नता के लिए किया गया हो। प्रेम का मूल मंत्र है 'सेवा'। जहाँ प्यार या प्रेम है वही जिन्दगी है। प्रेम में असीम विश्वास है, असीम धैर्य है तथा असीम बल है। भक्ति का उच्चतम रूप है प्रेम। परमात्मा भी प्रेम के कारण चले आते हैं। प्रेम की शक्ति, नफरत की ताकत से हजारों गुणा प्रभावशाली होती है।

महात्मा गांधी ने कहा है, जहां प्रेम है वहां जीवन है। **संत कबीर** के अनुसार, प्रेम वह चीज है जिसे न तो पैदा किया जा सकता है न मारा जा सकता है और न ही इसे धन के माध्यम से खरीदा जा सकता है। **''कबीरा यह घर प्रेम का, खाला का घर नहीं। सीस उतारे हाथ धर, सो पसे घर माही...।''**

प्रेम या प्यार का अहसास दिल से होता है, दिमाग से नहीं। प्रेम स्नेह से खुशी की ओर अग्रसर होता है। यह मजबूत आकर्षण और निजी जुड़ाव की भावना है। **जीसस** के अनुसार 'प्रेम' ही परमात्मा है। **गौतम बुद्ध** ने कहा है कि प्रेम मानवता का दूसरा नाम है। जहां ईर्ष्या, ध्वेश व घ्रणा होती है वहां प्रेम हो ही नहीं सकता। इनका जीवन से निष्कासन होने पर ही जीवन को समग्रता में और सभी रूपों में जीया जा सकता है। **मुरारी बापू** ने 'विश्व स्वरूपम' नाथद्वारा में रामकथा करते हुए मीरा का पद **''मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरा ना कोई''** गाया और 'प्रेम' की व्याख्या की। उन्होंने कहा कि, प्रेम निगरानी नहीं, बल्की चिंता रखता है, प्रेम के मूल में विश्वास है, कृष्ण की भक्ति में भी प्रेम छिपा है, प्रेम सर्वस्व अर्पण की भावना है, कुछ पाने के लिए जहाँ आकांक्षा होती है वहाँ प्रेम नहीं होता, प्रेम और विश्वास एक-दूसर के पूरक हैं। **मुंशी प्रेमचन्द** ने कहा है कि प्रेम आत्मा से होता है, शरीर से नहीं। प्रेम का एक ही मूल मंत्र है, वह है सेवा।

अथक कहानी प्रेम की में शेख फरीद 'प्रेम' के पथिक हैं और जैसा शुद्ध प्रेम का वर्णन उन्होंने किया वैसा कहीं और नहीं मिलता। फरीद के प्रेम में स्वयं का स्वेच्छा से पूर्ण समपर्ण है, प्रेम में सहजता से झुकना होता है, प्रेम स्वयं का दान है। यह पूरे भाव से होनी चाहिए। **कबीर, दादू** तथा **नानक** भी प्रेम की बात करते हैं किन्तु उनमें ध्यान का मिश्रण है। ईश्वर प्राप्ति के मार्ग में प्रेम और ध्यान है। प्रेम के मार्ग में हृदय को शुद्ध करना होता है कि प्रेमी उसमें अपने को खो दे। 'प्रेम' वासना नहीं है बल्की उससे मुक्ति है।

राम व कृष्ण के संदेशों में प्रेम की अनुभूति है। **राम** का संदेश था, ''सब नर करे परस्पर प्रीति।'' **कृष्ण** का प्रेम ऐसा था कि ब्रज की गोपियों को कृष्ण के प्रेम में संसार का कोई भी बंधन रोक नहीं पाया। पर प्रेम में धैर्य जरूरी है। व्यक्ति को स्वयं विनम्र, दयाशील व धैर्यवान होना चाहिए।

यदि प्रेम को पारिवारिक तथा सामाजिक रिश्तों के सन्दर्भ में देखें तो पायेंगे कि **माता-पिता** अपने बच्चों को निस्वार्थ व शुद्ध प्रेम करते हैं, वहीं बच्चे अपने माता-पिता को सबसे करीब महसूस करते हैं। माँ और शिशु का आत्मिक सम्बन्ध स्नेहित प्रेम का उत्कृष्ट उदाहरण है। **दादा-दादी/नाना-नानी** अपने पोते-पोतियों/दोहित्रों को पूरे दिल से प्रेम या प्यार करते हैं। **भाई-बहिन** चाहे आपस में लड़े-झगड़े किन्तु उनका प्यार असीम है। **पति-पत्नी** में प्रेम है तो यह आपसी रिश्तों को बढ़ाता है और यदि प्रेम का अभाव है तो तनाव उत्पन्न करता है तथा बिखराव की स्थिति बन सकती है। **बायरन** ने कहा है कि ''पुरुष का प्यार उसके जीवन की भिन्न वस्तु है।, परंतु नारी के लिए प्यार उसका सारा जीवन है।'' जहां आपसी प्रेम है वहीं **मित्रता** पल्लवित होती है।

जिसका हृदय प्रेमभाव से भरा हो वो महान बनता है। **मदर टेरेसा** के स्नेहित स्पर्श से मानसिक रूप से टूट चुके अनेक इंसानों में जीवन का संचार हुआ था। 'प्रेम' ही मानव को सृजन की ओर लौटा सकता है। प्रेमपूर्ण हृदय जगत निर्माण में अपनी ऊर्जा लगा देता है। 'प्रेम' तो धर्म, जाति व देश से भी ऊपर है। इसीलिए कहा गया है कि ''प्रेम में डूबा हुआ हृदय उतना पवित्र है जितना की गंगाजल से भरा हुआ कलश...।''

किन्तु आजकल 'प्रेम' या प्यार का विकृत रूप देखने-सुनने में आ रहा है। युवक-युवतियों का पाश्चात्य देशों के प्रभाव में पड़कर मिलना-जुलना, पार्टियां करना जिसमें नशा व अश्लीलता का होना, लिव इन रिलेशन में रहना तथा वासना की ओर बढ़ना, उन्हें अपनो से जहां दूर कर रहा है वहीं उनका भविष्य भी दांव पर लगा रहता है। कॉलेज के दौरान तथा नौकरी के दौरान युवक-युवतियां आधुनिकता की आड़ में गलतियां कर बैठते हैं। उन्हें ऐसे आकर्षण से बचना चाहिये तथा संयम व समझदारी से काम लेना चाहिये। अन्यथा नासमझी व आधुनिकता की होड़ में अवसाद के चक्रव्यूह में फंसकर जीवन बर्बाद हो सकता है। ऐसी ही खबरों से आजकल समाचार पत्र अटे पड़े हैं। ऐसा प्रेम अहंकार व घ्रणा में परिवर्तित हो सकता है। चकाचौंध में किया गया प्यार या प्रेम हमें समाज की नजरों में भी गिरा देता है। जबकि प्रेम में तो व्यक्ति समाज की नजरों में उठ जाना चाहिये।

- रमेश गैदर

नया साल 2023

विश्वभर में 1 जनवरी को मनाये जाने वाला नया साल-2023 नये संकल्प, नई उम्मीद, नये जोश एवं नई उमंग से भरा हुआ हो। हम इसे अपने परिवार तथा पारिवारिक मित्रों के साथ खुशियों से मनाये तथा इसे खास बनाये। इस अवसर को हम पिछले वर्ष की बुराईयों, कड़वाहट, बुरे लम्हों को भुलाकर उनसे सबक लें तथा नई ऊर्जा व नई उमंग से मनाये।

नववर्ष को हर व्यक्ति अपने-अपने तरीके से मनाते हैं, कोई 31 दिसम्बर की शाम होटलों व क्लबों में जाकर नाच-गाने व पार्टियां करते हैं तथा रात 12 बजे एक दूसरे को ''हैप्पी न्यू ईयर'' कहकर बधाई देते हैं। इस दिन होटलों, क्लबों व रेस्टोरेंटस की सजावट रंग-बिरंग रोशनी से होती है तथा ये खचाखच भरे होते हैं। वहीं कुछ लोग घर पर ही परिवारजनों के साथ टी.वी. पर नववर्ष का कार्यक्रम देखकर तथा पकवान खाकर जश्न मनाते हैं।

सर्वप्रथम न्यू ईयर का आगाज आतिशबाजी के साथ आस्ट्रेलिया के सिडनी से होता है जहां सबसे पहले नया साल आता है। इसके बाद पूरा दिन नववर्ष की बधाई देने तथा एक-दूसरे को गिफ्ट देने में बीत जाता है। अमेरिका तथा युरोपीय देशों में जहां ईसाई रहते हैं वहां बहुतायत से 1 जनवरी को नववर्ष मनाया जाता है।

नववर्ष 4000 साल पहले बेबीलोन में मनाया जाता था, यह 21 मार्च को पड़ता था। जब रोम में जूलियस सीजर ने जूलियन कलेण्डर लागू किया तो इसे 1 जनवरी को मनाना प्रारम्भ हुआ।

नया साल हमें अवसर देता है कि पिछले वर्ष जो हम नहीं कर पाये उसे इस वर्ष करने का संकल्प लें। इस दिन को मनाने के लिए मिलजुल कर गेम्स, कैम्पिंग, नाच-गाना, कहानी-किस्से, अनुभव, आउटडोर ट्रिप तथा खाना-खजाने का आनन्द लें। यदि हम इस दिन गरीब के झौपड़-पट्टों एवं अनाथालय में जाकर उन्हें उनकी जरूरत के सामान गिफ्ट में देंगे तो उन्हें भी नववर्ष पर हमारे साथ खुशी मिलेगी। अपने बुजुर्गों से अशीर्वाद लें तथा बच्चों को खिलौने, नये कपड़े तथा अन्य गिफ्ट दें तो मजा दुगना हो जावेगा। इस दिन मंदिर, गिरजाघर, मस्जिद, गुरुद्वारा आदि धार्मिक स्थानों पर श्रद्धानुसार जाने पर आत्मखुशी की अनुभूति होती है।

नववर्ष पर हम थोड़ा समय निकला कर आत्म निरीक्षण एवं आत्ममंथन करना चाहिये तथा इसके बाद नये लक्ष्य व नये संकल्प निश्चित कर आगे कार्य करने पर आत्म संतुष्टि होती है। कुछ लोग इस दिन से अच्छी आदतें अपनाते हैं, नई कला सीखते हैं, अच्छे दोस्त बनाते हैं तथा जो अपने पीछे छूट गये उनस पुनः सम्बन्ध स्थापित करते हैं इससे निश्चत ही खुशी मिलती है।

अब देखते हैं विभिन्न देशों में ओर क्या करते हैं लोग-

- **डेनमार्क** में दोस्तों ओर फेमिली के दरवाजे पर पुराने प्लेट और ग्लास फेंककर बधाई देते हैं।
- **स्पेन** में नये साल पर आधी रात को 12 अंगूर खाने का रिवाज है।
- **ब्राजील** में लोग नववर्ष पर स्पेशल अण्डरवियर पहनते हैं।
- **फिनलैण्ड** में पिघला हुआ टिन पानी में डुबो देते हैं। यह धातु कठोर होने पर यदि हार्ट या रिंग की आकृति लेती है तो शादी तथा जहाज की आकृति लेने पर ट्रेवल से जोड़कर देखते हैं।
- **अमेरिका** में लोग टीवी के सामने बैठकर आधीरात को टाइम्स के नये हैडक्वाटर के बाल ड्राप्स को देखते हैं।

नववर्ष 1 जनवरी के अलावा कब और कहां-कहां मनाया जाता है: मारवाड़ी दिपावली को, जैन दिपावली के दूसरे दिन, गुजराती-दिपावली को, कच्छी समुदाय-आसाढ़ की बीज को, पारसी-नवरोज को (मार्च में), नेपाली-बसंत को, सिंहली-श्रीलंका के सिंहली अप्रेल में, इस्लाम-में मुहर्रम के पहले दिन, हिजरी कलेण्डर अनुसार, सिन्धी-चेण्टीचण्ड पर (चैत्र मास शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा), आसाम-बिहु पर्व पर, केरल-विषु पर्व को, कश्मीर-चैत्र नवरात्र के प्रथम दिन, मराठी-गुड़ी पड़वा को (चैत्र मास शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को), आन्ध्र प्रदेश-गुड़ी पड़वा को (चैत्र मास शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को), कर्नाटक-गुड़ी पड़वा को (चैत्र मास शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को), तेलंगाना-उगारी को (चैत्र मास शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को), पंजाब व हरियाणा-बैशाखी को तथा हिन्दु-चैत्र मास शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को।

– **शोभिका कुमावत,** सवाई माधोपुर

मोहिनी देवी कुमावत ने आँखें दान की

दो लोगों को मिलेगी ज्योति

कुचामनसिटी की मोहिनी देवी कुमावत (61 वर्षीया) पत्नी श्री जोराराम सिंघाटिया, 25 नवम्बर को शादी में सम्मिलित होने **नावां** जा रही थी, किन्तु रास्ते में दुर्घटनाग्रस्त हो गयी थी। उन्हें जयपुर के एस.एम.एस. अस्पताल रेफर किया गया। जहां इलाज के दौरान इनका निधन हो गया। मृत्यु के बाद उनके पुत्र रामगोपाल सिंघाटिया एवं परिजनों की सहमति से 28 नवम्बर को उनकी आंखे **आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान** को दान की गई। इस नेक कार्य से अब दो लोगों के जीवन में रोशनी आ पायेगी। **नेत्रदान महादान है** इसके लिए सिंघाटिया परिवार की सराहना हो रही है। इनके इस कदम से समाज में नेत्रदान व अंगदान का संदेश जायेगा।

गायों की गोष्ठी

एक बड़े चारागाह में बहुत-सी गायें इकट्ठी हुईं। गायों के झुण्ड से पूरा चारागाह भर गया। हरी-हरी घास चरतीं, इधर-उधर घूमतीं-रंभातीं, जुगाली करती गायें बड़ी ही प्यारी लग रही थीं। बरसात का मौसम था। आसमान में हल्के-हल्के बादल छाये थे। ठण्डी-ठण्डी हवा बह रही थी। जब पेट भर चुका तो सारी गायें जुगाली करने आस-पास घेरा बनाकर बैठ गयीं।

बूढ़ी **सोना गाय** उस दिन उदास बैठी थी। नीला से न रहा गया, वह बोली—'क्या बात है चाची! आज तो तुम बहुत ही सुस्त लग रही हो, बीमार हो क्या?'

सोना ने सिर ऊपर उठाया। सारी गायें आपसी बात-चीतें बन्द करके उसकी ओर देखने लगीं। सोना कहने लगी—''क्या बताऊँ बच्चियों तुम्हें! अब मैं बूढ़ी होती जा रही हूँ न मालिक को दूध भी नहीं दे पाती। दूध न दे पाने के कारण मैं मालिक के लिये बेकार हो गयी हूँ। वह मुझे दुत्कारते ही रहते हैं, डर है कि कहीं किसी कसाई को ही न दे दें। मैं तो भगवान से हर पल बस अपनी मौत की कामना करती रहती हूँ।''

यह सुनकर **काली** गाय को बड़ा गुस्सा आया। वह अपने सींगों को जोर से हिलाती हुई बोली—''यह मनुष्य बड़े ही स्वार्थी होते चले जा रहे हैं। तुम्हारे मालिक के सारे बच्चे तुम्हारे ही दूध से पलकर बड़े हुए हैं। एक प्रकार से तुम उनकी माँ हुई। तुम पर अत्याचार करने में उन्हें शर्म आनी चाहिये।''

पीला बोली—मैं तो एक बात पूंछती हूँ कि उनके माता-पिता बुड्ढे और अनुपयोगी हो जायेंगे तो वे उन्हें भी किसी कसाई को पकड़ा देंगे?

'यही तो सोचने की बात है।' **श्याम** ने कहा।

श्वेता बोली—'मैंने सुना है कि हजारों वर्ष पहले भारतवर्ष के निवासी हमें माँ कहते थे। माँ के समान हमारी पूजा और सम्मान करते थे। हम पर, हमारे बैल और बछड़ों पर उनकी सारी अर्थ व्यवस्था आधारित थी। गौ-पालन और कृषि ही उनकी जीविका का प्रमुख साधन था। सोना ओर काली गरदन धीरे-धीरे हिलाकर बोलीं सभी जीव-प्राणियों में एक ही आत्मा निवास करती है। सभी को सुख-दुःख की समान रूप से अनुभूति होती है। फिर मनुष्य, न जाने क्यों हमसे इतना बुरा व्यवहार करते हैं?'

''तुम इनके दुर्व्यवहार की बात न कहो बहिन! मेरी भी सुनो कि मेरे नन्हें बछड़े को दुष्ट दूध नहीं पीने देते। बछड़ा बेचारा रंभा कर रह जाता है। बचा-खुचा दस-बारह बूँद भर दूध ही उसे मिल पाता है।'' **काली** ने कहा।

पीला बोली—'और मुझे मालिक पेट भर खाना नहीं देते। बस हरदम यही कोशिश करते हैं कि कैसे भी अधिक से अधिक दूध मेरे थनों से निचोड़ लें।'

श्वेता ने कहा—'मेरे मालिक के बच्चे इतने शरारती हैं कि कभी मेरी पूँछ मरोड़ते हैं,तो कभी तंग करने के लिये डण्डे मारते हैं। मालिक है कि उनकी करतूत पर हँसते रहते हैं। उनसे मना तक नहीं करते, उनकी भाषा में बोल नहीं सकते तो क्या? हम में भी प्राण है, हमें भी तो कष्ट होता है।'

'बच्चे भला क्या जानें, क्या उचित है क्या अनुचित? बच्चों को तो बचपन से ही सिखाना पड़ता है। यदि माता-पिता ऐसा नहीं करते तो बच्चे बिगड़ेंगे ही, साथ ही वे भी किसी दिन खूब पछतायेंगे।' **आभा बोली।**

नन्दा कह रही थी—'पिछले की ही बात है। मैं बहुत ही बीमार पड़ गयी। पूरे छह दिन मैंने कुछ न खाया। मेरा मालिक यों तो पुचकारता रहा, पर उससे यह नहीं हुआ कि मुझे किसी डाक्टर को दिखा भी दे। कोई जड़ी-बूटी ही मुझे ला देता। घर में कोई बीमार पड़ता है तो क्या उसके लिये दवा नहीं लाते?'

सोना कहने लगी—'सभी के साथ कुछ न कुछ समस्या है ही। हम अपनी भाषा में आँखों में मौन भाव भरकर इन मनुष्यों से न जाने क्या-क्या कहती हैं, पर लगता है मौन भावों को समझने में तो ये मनुष्य बिल्कुल असमर्थ हैं या फिर ये समझकर भी नहीं समझना चाहते।'

आभा ने गुस्से में भरकर खुरों से जमीन खेदते हुए कहा—'सुनो! सुनाती हूँ इन सब मनुष्यों की नृशंसता की पराकाष्ठा तुम्हें। मैंने सुना है कि गायिन का गर्भ गिराकर, बिना जन्मे बछड़े की खाल से ये मनुष्य फैशन की चीजें पर्स-सैण्डिल आदि बनाते हैं। ये चीजें बिकती भी खूब महंगी हैं।'

'ओह यह तो राक्षसी प्रवृत्ति है और अत्याचार की पराकाष्ठा है। सभी गायें दुःख से कराह कर एक साथ चिल्ला उठीं।'

कौन समझाये इन मनुष्यों को कि अपनी फैशन के लिये, झूठी शान के लिये वे न जाने कितने निरीह प्राणियों को दुःख देते हैं, उनकी हत्या कर देते हैं। फैशन, झूठी शान के नाम पर वे कम से कम जानवरों की खाल से बनी ऐसी चीजें तो न अपनायें, जिनमें किसी निरीह प्राणी की आहें बसी हों। **पीला** ने बड़े ही वेदना भरे स्वर में कहा।

काली बोली—'हमें भी इन मनुष्यों की भाषा आती, तो उनसे कहते कि हम जीवन भर तो पूरी शक्ति से, पूरे मन से उनकी सेवा करते हैं। जो दूध वास्तव में हमारे बच्चों के लिए है, वह सारा का सारा उन्हें दे देते हैं। हमारा गोबर तथा गौमूत्र तक तो बेकार नहीं है। उससे तुम अच्छी खाद बनाते व कण्डे बनाकर ईंधन का काम लेते हो। मर जाने पर हमारी खाल काम आती है। फिर सबका भी यह कर्तव्य हो जाता है कि हमारे साथ बुरा व्यवहार न करे। हमें भर पेट खाना दे। हम पर बात-बात पर डण्डे मत बरसाए। दूध न देने पर भी हमारा पालन करे। हमारी पहली सेवाओं को याद करके हमें कसाई को न पकड़ाए। हम भी प्राणी हैं, हमें भी दुःख पहुँचता है। हमारे साथ वह व्यवहार न करे, जो उन्हें अपने लिये पसन्द नहीं।'

तभी दूर बैठा, बाँसुरी बजाता नन्दू ग्वाला गायों को घर ले चलने के लिये आ गया।

'भगवान इन मनुष्यों को सद्बुद्धि दे कि वे जीवों पर दया करें। **सोना ने कहा** और सारी गायें घर चलने के लिए उठ खड़ी हुईं।'

सौजन्य : बाल निर्माण की कहानियां भाग-6

असिस्टेंट प्रोफेसर कॉलेज शिक्षा के पद पर चयनित शशि से 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की चर्चा

श्रीमती शशि कुमावत धर्मपत्नि श्री मनीष कुमावत के असिस्टेंट प्रोफेसर कॉलेज शिक्षा के पद पर आरपीएससी से चयन होने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से उन्हें बधाई देने पहुंचे तथा उनसे उनकी इस सफलता के बारे में विस्तार से पूछा जो उन्हीं की जुबानी निम्न प्रकार प्रस्तुत है-

मैंने बचपन से ही अपने मम्मी-पापा को बहुत मेहनत करते देखा है और समझ में आ गया था कि लगातार मेहनत एवं अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर ही आगे बढ़ा जा सकता है।

मेरे पीहर के परिवार के सभी सदस्यों - पापा, चाचाओं, दीदी एवं भैया ने वाणिज्य से पढ़ाई की थी। मैंने भी अपना कॅरियर वाणिज्य में ही बनाने का निश्चय किया। मैं चार्टर्ड एकाउण्टेन्ट बनना चाहती थी। मेरी मेहनत एवं परिवारजनों की दुआएं रंग लाई एवं सीए इन्टर में प्रथम प्रयास में ही सफल हो गई। इसी बीच मेरी शादी हो गई किन्तु पढाई जारी रहीं। मेरे सास-ससुर एवं पतिदेव के प्रोत्साहन एवं सहयोग से मैंने सीए फाईनल 2014 के दोनों ग्रुप प्रथम प्रयास में ही पास कर लिए।

मुझे पढ़ने और पढ़ाने का बचपन से ही शौक था और इसलिए मैं सीए की प्रैक्टिस करने की बजाय सीए, सीएस के बच्चों को कॉलेज में पढाने जाने लगी। इसी बीच मेरी दीदी का चयन स्कूल लैक्चरर के पद पर हो गया। चूंकि पढ़ाना एक नोबल प्रोफेशन है तो मैंने भी इस ओर अपना मन बना लिया। मैंने RPSC में Assistant Proffesor के लिए आवेदन किया तथा कड़ी मेहनत से लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की। सभी के आशीर्वाद एवं शुभकामनाओं की वजह से इन्टरव्यू पास करके 82 में से मेरी 42वीं रैंक आई तथा इस मुकाम तक पहुंच पाई।

मैं अभी Ph.D. कर रही हूँ जो शीघ्र पूरी हो जाएगी। मेरी इस यात्रा में मेरे दोनों परिवारों का सहयोग बहुत ही महत्वपूर्ण रहा है। मेरे पापा से मैंने अनुशासन तथा कड़ी मेहनत करना सीखा तथा ससुराल में पढ़ाई एवं परिवार से सामंजस्य करना सीखा। आज जो भी सामने है, यह इसी का नतीजा है।

मैं युवा पीढ़ी से आग्रह करती हूँ कि मेहनत तो सभी को करनी होती है, चाहें आज करें या कल, किन्तु समय पर ईमानदारी से की गई मेहनत ही अपने लक्ष्य तक पहुंचाती है। साथ ही यह भी जरूरी है कि अपने से बडों का आदर करें, उनकी भावनाओं का सम्मान करें एवं अपने अन्दर अभिमान न आने दें, ईश्वर पर भरोसा रखें, वह हमें अपने कर्मों के अनुसार फल देता है।

गणतंत्र दिवस-26 जनवरी

26 जनवरी, 1950 को 'भारत का संविधान' लागू हुआ तथा भारत गणराज्य बना। इस दिन से भारत का कानून, शासन व्यवस्था के लिए लागू हुआ। इससे पूर्व भारत सरकार अधिनियम 1935 से शासन संचालित होता था। भारत 15 अगस्त, 1947 को आजाद हुआ तो इस दिन से प्रतिवर्ष स्वतंत्रता दिवस मनाया जाने लगा था। इसके बाद संविधान निर्मात्री सभा बनी जिसने 9 दिसम्बर, 1947 से संविधान निर्माण प्रारम्भ किया। इसकी 114 बैठकें हुई तथा 2 वर्ष 11 माह 18 दिन में 284 सदस्यों ने 26 नवम्बर, 1949 को इसे तैयार कर संविधान समिति के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को सुपुर्द किया। संविधान निर्माण हेतु 22 समितियां बनी, सबसे प्रमुख प्रारूप समिति थी जिसके अध्यक्ष डॉ. भीमराम अम्बेडकर थे, संविधान निर्माण में उनका विशेष योगदान था। विश्व के संविधानों के प्रावधानों का गहन अध्ययन कर उनके अच्छे प्रावधान लिए जा कर संविधान में रखे गये। इन पर संविधान निर्मात्री सभा में विस्तृत चर्चा हुई तथा फिर अंतिम रूप दिया गया।

जब भारत गुलाम था तो भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने वर्ष 1929 के लाहौर अधिवेशन में घोषणा की कि 26 जनवरी, 1930 तक भारत को 'स्वायत्तता' का स्तर नहीं दिया जायेगा तो प्रतिवर्ष 26 जनवरी को वह स्वतंत्रता दिवस मनायेगी। तब से 26 जनवरी को कांग्रेस, भारत में स्वतंत्रता दिवस मनाती रही है। पर भारत को 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्रता मिली। अत: 15 अगस्त 'स्वतंत्रता दिवस' मनाने लगे। तब 26 जनवरी के दिन को महत्व देने के लिए संविधान लागू करने और भारत को गणतंत्र घोषित करने के लिए 26 जनवरी, 1950 का दिन निश्चित किया गया। इससे पूर्व 24 जनवरी, 1950 को संविधान निर्मात्री सभा के 284 सदस्यों ने संविधान की दो प्रतियों पर हस्ताक्षर किये तथा 26 जनवरी, 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ। इस दिन प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने शपथ ली व गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित हुआ। तब से प्रतिवर्ष 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस का भव्य आयोजन किया जाता है। राष्ट्रपति राष्ट्र ध्वज फहराते हैं, राष्ट्रगान **''जन-गण-मन....''** गाया जाता है, राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी जाती है। यहां तीनों सेनाओं की भव्य परेड होती है। विभिन्न राज्यों की झांकियां, लोकगीत व नृत्य का उत्साह से भव्य प्रदर्शन होता है। सेना अपने शौर्य का परिचय देती है जिसमें उम्दा हथियार और सैनिक साज-सामान प्रदर्शित किये जाते हैं। यहां अग्नि मिसाइल तथा राफेल फाइटर प्लेन भी प्रदर्शित किये गये जो हमारी सैन्य क्षमताओं का द्योतक है। इस समारोह में विदेशी राष्ट्राध्यक्षों को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाता है। वर्ष 2023 के गणतंत्र दिवस समारोह में मिश्र (Egypt) के राष्ट्रपति फतेह अल-सिसी मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किये गये हैं।

गणतंत्रत्र दिवस के तीन दिवसीय समारोह का समापन **'बीटिंग रिट्रीट'** से होता है। रायसेना हिल पर राष्ट्रपति भवन के सामने 29 जनवरी की शाम को थल सेना, वायुसेना तथा नौसेना के बैण्ड पारम्परिक धुन बजाते हुए मार्च करते हैं। यहां स्थित ऐतिहासिक इमारतों पर लाइटिंग बहुत ही आकर्षक लगती है। इसके साथ ही गणतंत्र दिवस समारोह का समापन हो जाता है।

- भारती तोंदवाल

सूर्य के उत्तरायण में प्रवेश का पर्व मंकर संक्रान्ति

प्रतिवर्ष 14 जनवरी को पोष मास में हिन्दुओं द्वारा भारत व नेपाल में 'मकर संक्रान्ति' का पावन पर्व बड़ी ही श्रद्धा एवं उल्लास से मनाया जाता है। मकर संक्रान्ति को सूर्य, धनु राशि में मकर राशि में प्रवेश करता है एवं सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण में मकर रेखा तक आता है। यद्यपि यह महत्वपूर्ण खगोलीय घटना है किन्तु हिन्दु लोग इसका आध्यात्मिक महत्व भी मानते हैं। सूर्य को आत्मा की शक्ति का केन्द्र माना जाता है, यह ऊर्जा व चेतना देता है। सूर्य की गति से ही इस पर्व का सम्बन्ध है। इस पर्व के साथ देवलोक में रात्रिकाल समाप्त होता है और दिन का आरम्भ होता है। इसलिए इस दिन भगवान सूर्य की पूजा का विधान है। उगते सूरज को जलापर्ण करना चाहिये। इस दिन भगवान विष्णु की तिल से पूजा का भी विधान है। मकर संक्राति को ही राजा भागीरथ गंगा को लेकर कपिल मुनि के आश्रम आये जहां माँ गंगा ने राजा सगर के 60 हजार पुत्रों को मोक्ष दिया था। भारत एवं नेपाल में हिन्दुओं द्वारा पवित्र नदियों, सरोवरों, जल कुण्डों में जाकर स्नान किया जा कर दान-पुण्य करना मोक्ष के लिए आवश्यक माना जाता है। इलाहाबाद (प्रयाग) पुष्कर, कुरुक्षेत्र, नासिक आदि पवित्र स्थानों पर लाखों लोग स्नान करते हैं।

इस दिन गंगा स्नान करना शुभ माना गया है। लोग **गंगासागर** तीर्थ जाते हैं जहां पर समुद्र का पानी यात्रियों को मकर संक्रान्ति के दिन (वर्ष में एक बार) रास्ता देता है जो स्नानादि के बाद वहां स्थित मंदिर के दर्शन कर पाते हैं। कहा गया है **''सारे तीरथ बार-बार, गंगासागर एक बार।''**

दान-पुण्य : मकर संक्रान्ति के दिन तिल-गुड के लड्डू बनाकर सुहागिन महिलाएं सुहाग की वस्तुओं, वस्त्रों आदि का दान कर पुण्य कमाती हैं। अपनी बहिन-बेटियों को पीहर बुलाकर भोजन कराया जाता है। इस दिन खीर, हलवा, पुड़ी, फीणी, पकोड़ी आदि पकवान बनाये जाते हैं।

पतंगोत्सव : मकर संक्रान्ति पर भारत के अनेक शहरों में पतंगे उड़ाई जाती हैं। जयपुर शहर में रंग-बिरंगी पतंगों से आकाश अटा पड़ा रहता है, छोटे हो या बड़े घर की छतों पर सभी पतंगबाजी करके, मनोरंजन करते हैं। हर दिशा से **'वो काटा'** की आवाज गूँजती है। पतंग उड़ाने से ज्यादा पतंग लूटने का मजा होता है। सारे-दिन छतों पर रहने से पकोड़ी संग पतंगबाजी के साथ धूप से विटामिन-डी भी मिलता है। जो सर्दी-जुकाम के संक्रमण को तो ठीक करता ही है साथ ही शरीर की हड्डियों को मजबूत बनाता है।

किन्तु पतंग डोर (विशेषकर चाइनीज मांझा) से बेजुबान पक्षियों के पंखों आदि के कट जाने का डर बना रहता है। पतंग उड़ाने के चक्कर में कई बच्चे व युवा छत की मुंडेर से गिर कर घायल हो जाते हैं तथा चायनीज मांझे से शरीर के अंग कट जाते हैं।

पतंग उड़ाने के आनन्द की पराकाष्ठा में सावधानी रखें। **चायनीज मांझे का उपयोग नहीं करें, बच्चे कहीं गिर न जाये ध्यान दें, साथ ही ध्वनी प्रदूषण कम करें।** सड़क पर वाहन सावधानी से चलायें कि पतंग लूटते कोई बच्चा वाहन से टकरा न जाये। **हमें बेजुबान जानवरों विशेषकर पक्षियों का बचाव व घायल होने पर उनका यथाशीघ्र इलाज कराने पर ध्यान देना चाहिए।**

पतंग की शुरुआत : जानकारी के अनुसार सर्वप्रथम पतंग उड़ाने की शुरुआत चीन से मानते हैं। किन्तु **त्रेतायुग में मर्यादा पुरुषोत्तम राम का अपने भाईयों व हनुमान संग पतंग उड़ाने का दृष्टांत भी है।** पतंग उड़ाने में मनोरंजन को महसूस कर अनेक देशों में पतंग उड़ायी जाने लगी। जयपुर, अहमदाबाद, बरेली आदि पतंग उड़ाने के लिए प्रसिद्ध हैं। यहां सिद्धहस्त पतंगबाज टीम गठित करके दंगल (टेस्ट मैच) भी करते हैं। जिसमें टीमें पतंगों का मैच खेलती है।

मकर संक्रान्ति क्षेत्रवार : आन्ध्र प्रदेश, केरल और कर्नाटक में इसे **'संक्रान्ति'** कहते हैं। तामिलनाडू में इस दिन **'पोंगल'** पंजाब में लोहड़ी, आसाम में **'बिहू'** के नाम से मनाते हैं।

ऐतिहासिक महत्व : माना गया है कि इस दिन सूर्य भगवान अपने पुत्र मकर राशि के स्वामी शनि से मिलने स्वयं उसके घर जाते हैं। इसलिए इस दिन को 'मकर संक्रान्ति' से जाना गया है। **महाभारत काल में** भीष्म पितामह ने सूर्य के उत्तरायण में आने की प्रतीक्षा की तथा इस दिन को अपनी देह का त्याग किया था।

संक्रान्ति पर अन्य पर्व

लोहड़ी : पंजाब और हरियाणा में 13 जनवरी को लोहड़ी मनाई जाती है। इस दिन गुड, तिल, भुनी मक्का, चावल को, अग्नि के चारों और घूम-घूमकर आहूति देते हैं तथा लोकगीत गाते हैं।

पोंगल : तामिलनाडू में यह त्यौहार 4 दिन तक मनाया जाता है पहले दिन कूडा-करकट इक्ट्ठा कर जाते हैं, दूसरे दिन लक्ष्मी जी की पूजा करते हैं, तीसरे दिन पशुओं की पूजा की जाती है। खुले आंगन में मिट्टी के बर्तन में खीर बनाकर सूर्य भगवान को चढ़ाते हैं तथा बेटी-दामाद को भी विशेष रूप से बुलाते हैं।

-आर.सी. कुमावत

नव वर्ष

2023

की हार्दिक बधाई

नीतू गैदर

जिला कार्यकारिणी सदस्या भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर

बनाने पर शीर्ष नेतृत्व का हार्दिक आभार

चेतन कुमावत

जिला अध्यक्ष

भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर

बधाई

श्रीमती शशि कुमावत धर्मपत्नी श्री मनीष घोड़ीवाल

सुपुत्री श्रीमान ताराचन्द जी मारवाल

निवासी-1बी-1, अर्जुन नगर साउथ, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर

का RPSC से असिस्टेंट प्रोफेसर ABST कॉलेज एज्यूकेशन में

42वीं रैंक पद पर चयन होने पर

हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

शुभेच्छु

लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल-राजकुमारी (श्वसुर-सास), सुरेन्द्रबाबु घोड़ीवाल-प्रीति (भ्राता-भाभी) एवं शुभी, शिवी, लविन व समस्त घोड़ीवाल परिवार

7/218, मालवीय नगर, जैन मंदिर की गली, जयपुर-302017

मो. : 9549656438, 7976252918, 9672980118

मासिक

कुमावत इंडिया

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

साल 5 बेमिसाल — सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा — सबसे पहले सबसे तेज

Email : kumawatindiapatrika@gmail.co   Website : www.kumawatindiapatrika.in

JANUARY 2023

रवि	1 रवियोग, पौष शुक्ल दशमी १०	8 रवि पुष्य योग, माघ कृष्ण द्वितीया २	15 गंगा सागर मुख्य स्नान, कालाष्टमी ८	22 गुप्त नवरात्रा प्रारंभ, माघ शु. प्रतिपदा	29 वृष चन्द्र, माघ शुक्ल अष्टमी ८
सोम MON	2 भरणी रवियोग, एकादशी व्रत ११	9 आश्लेषा, विश्व डाक दिवस, माघ कृष्ण द्वितीया २	16 माघ कृष्ण नवमी ९	23 रवियोग व्यतिपात पुण्य, कुंभ चन्द्र 13-51	30 गुप्त नवरात्रा पूर्ण, रवियोग महानंदा नवमी ९
मंगल TUE	3 कृतिका, पौष शुक्ल द्वादशी १२	10 तिलकुटा चौथ व्रत, माघ कृष्ण तृतीया ३	17 विशाखा, माघ कृष्ण नवमी ९	24 माघ शुक्ल तृतीया ३	31 दशमी १०
बुध WED	4 रोहिणी व्रत (जैन), पौष शुक्ल त्रयोदशी १३	11 माघ कृष्ण चतुर्थी ४	18 राजयोग, माघ एकादशी व्रत ११	25 माघ शुक्ल चतुर्थी ४	
गुरु THU	5 रवियोग, पौष शुक्ल चतुर्दशी १४	12 राष्ट्रीय युवा दिवस, माघ कृष्ण पंचमी ५	19 माघ कृष्ण द्वादशी १२	26 सरस्वती पूजन, श्री पंचमी ५	
शुक्र FRI	6 आर्द्रा, पौषी १५	13 माघ कृष्ण छठ् ६	20 माघ कृष्ण १३-१४	27 छठ (बं) ६	
शनि SAT	7 तुला, माघ कृष्ण प्रतिपदा १	14 विवेकानंद, रामानंदाचार्य ज., ऊँट महोत्सव (बीका) ७, मकर संक्रांति	21 मकर चन्द्र 14-53, राष्ट्रीय माघ प्रा.	28 लाला लाजपतराय ज., देव नारायण ज., सप्तमी ७	

2023 के व्रत,त्यौहार एवं महोत्सव,दिवस,जयन्ति और पुण्यतिथि

1- अंग्रेजी नववर्ष आरम्भ
5 - गुरु गोविंद सिंह जयंती
12 - स्वामी विवेकानंद जयंती
13 - पुत्रदा एकादशी व्रत, लोहरी - (पंजाब)
14 - मकर संक्रांति
15 - थल सेना दिवस
23 - सुभाषचंद्र बोस जयंती
26 - गणतंत्र दिवस
26 - बंसत पंचमी

FEBRUARY 2023

रवि		5 पूर्णिमा व्रत माघ स्नान पूर्ण, पुष्य माघ सुदी १५	12 स्वाति, फाल्गुन बदी ६	19 श्रवण, फाल्गुन बदी १४	26 कृत्तिका, फाल्गुन सुदी ७
सोम MON		6 धनिष्ठायां रवि, आश्लेषा फाल्गुन बदी १	13 विशाखा, फाल्गुन बदी ७	20 धनिष्ठा, अमावस्या फाल्गुन बदी ३०	27 रोहिणी, फाल्गुन सुदी ८
मंगल TUE		7 मघा, फाल्गुन बदी २	14 अनुराधा, फाल्गुन बदी ८	21 फुलेरा चंद्र दर्शन दूज, फाल्गुन सुदी १/२	28 रोहिणी, फाल्गुन सुदी ९, रा. विज्ञान दिवस
बुध WED	1 एकादशी व्रत, मृगशिरा माघ सुदी ११	8 पूर्वा फाल्गुनी, फाल्गुन बदी ३	15 ज्येष्ठा, फाल्गुन बदी ९/१०	22 उत्तरा भाद्रपद, फाल्गुन सुदी ३	
गुरु THU	2 माघ सुदी १२	9 चतुर्थी व्रत, फाल्गुन बदी ४	16 फाल्गुन बदी ११ मूल, एकादशी व्रत	23 रेवती, फाल्गुन सुदी ४	
शुक्र FRI	3 माघ सुदी १३, विश्वकर्मा ज.	10 हस्त, फाल्गुन बदी ४	17 पूर्वाषाढ़, फाल्गुन बदी १२	24 अश्विनी, फाल्गुन सुदी ५	
शनि SAT	4 माघ सुदी १४	11 चित्रा, फाल्गुन बदी ५	18 उत्तराषाढ़, फाल्गुन बदी १३, महाशिवरात्रि	25 भरणी, फाल्गुन सुदी ६	

2023 के व्रत,त्यौहार एवं महोत्सव,दिवस,जयन्ति और पुण्यतिथि

3 - विश्वकर्मा जयंती
18- महाशिवरात्रि
27-श्री दादू दयाल जयंती
28-रा. विज्ञान दिवस

MARCH 2023

रवि		5 आश्लेषा, फाल्गुन सुदी १३	12 श्री रंग पंचमी, स्वाति चैत्र बदी ५	19 प्रदोष व्रत धनिष्ठा, चैत्र बदी १२/१३	26 कृत्तिका, चैत्र सुदी ५
सोम MON		6 मघा, फाल्गुन सुदी १४, होलिका दहन, पूर्णिमा व्रत	13 विशाखा, चैत्र बदी ६	20 शतभिषा, चैत्र बदी १४	27 रोहिणी, चैत्र सुदी ६
मंगल TUE		7 पूर्वा फाल्गुनी, फाल्गुन सुदी १५	14 अनुराधा, चैत्र बदी ७	21 पूर्वा भाद्रपद, अमावस्या चैत्र बदी ३०	28 मृगशिरा, चैत्र सुदी ७
बुध WED	1 मृगशिरा, फाल्गुन सुदी १०	8 उत्तरा फाल्गुनीचैत्र बदी १, विश्व महिला दिवस, होली	15 शीतलाष्टमी बासोड़ा	22 चंद्र दर्शन झूलेलाल ज., उत्तरा भाद्रपद चैत्र सुदी १	29 श्री दुर्गाष्टमी, चैत्र सुदी ८
गुरु THU	2 आर्द्रा, फाल्गुन सुदी ११	9 हस्त, चैत्र बदी २, धुलण्डी	16 पूर्वाषाढ़, चैत्र बदी ८	23 सिंजारा, रेवती चैत्र सुदी २, शहीद दिवस	30 श्रीराम नवमी, चैत्र सुदी ९
शुक्र FRI	3 पुनर्वसु फाल्गुन सुदी ११, एकादशी व्रत	10	17 उत्तराषाढ़, चैत्र बदी १०, दशमाता व्रत	24 अश्विनी चैत्र सुदी ३, गणगौरी पूजा मेला	31 पुष्य, चैत्र सुदी १०
शनि SAT	4 पुष्य, शनि प्रदोष व्रत, फाल्गुन सुदी १२	11 चतुर्थी व्रत, चैत्र बदी ३	18 एकादशी व्रत श्रवण, चैत्र बदी ११	25 भरणी, चैत्र सुदी ४	

2023 के व्रत,त्यौहार एवं महोत्सव,दिवस,जयन्ति और पुण्यतिथि

8 - होली
9-धुलन्डी
15 - शीतलाष्टमी (बासोड़ा)

APRIL 2023

रवि	30 मघा, वैशाख सुदी १०	2 मघा, चैत्र सुदी १२	9 चतुर्थी व्रत विशाखा, वैशाख बदी ३	16 शतभिषा वैशाख बदी ११, एकादशी व्रत	23 रोहिणी, वैशाख सुदी ३
सोम MON		3 मघा, सोम प्रदोष व्रत, चैत्र सुदी १३	10 अनुराधा, वैशाख बदी ४	17 पूर्वा भाद्रपद, सोम प्रदोष व्रत, वैशाख बदी १२	24 मृगशिरा, वैशाख सुदी ४
मंगल TUE		4 पूर्वा फाल्गुनी चैत्र सुदी १३, महावीर जयंती	11 ज्येष्ठा, वैशाख बदी ५/६	18 मास शिवरात्रि, वैशाख बदी १३	25 आर्द्रा वैशाख सुदी ५, श्री सूरदास ज.
बुध WED		5 पूर्णिमा व्रत, चैत्र सुदी १४	12 मूल, वैशाख बदी ७	19 रेवती, वैशाख बदी १४	26 वैशाख सुदी ६, गंगा सप्तमी
गुरु THU		6 हस्त, चैत्र सुदी १५, हनुमान ज.	13 शीतला पूजा बासोड़ा, वैशाख बदी ८	20 वैशाख बदी ३० अमावस्या	27 वैशाख सुदी ७
शुक्र FRI		7 चित्रा, वैशाख बदी १, गुड फ्राईडे	14 उत्तराषाढ़, वैशाख बदी ९, अम्बेडकर ज.	21 भरणी, वैशाख सुदी १	28 वैशाख सुदी ८
शनि SAT	1 आश्लेषा एकादशी व्रत, चैत्र सुदी ११	8 स्वाति, वैशाख बदी २	15 श्रवण/धनिष्ठा, वैशाख बदी १०	22 कृत्तिका ईदुल फितर, वैशाख सुदी २	29 आश्लेषा, वैशाख सुदी ९

2023 के व्रत,त्यौहार एवं महोत्सव,दिवस,जयन्ति और पुण्यतिथि

6 - हनुमान जयंती
7 - गुड फ्राइडे
14- अम्बेडकर जयंती
22- ईदुल फितर

MAY 2023

रवि		7 अनुराधा, ज्येष्ठ बदी २, रवीन्द्र नाथ टैगोर जयंती	14 विश्व मातृ दिवस, शतभिषा, ज्येष्ठ बदी १०	21 रोहिणी, ज्येष्ठ सुदी २	28 पूर्वा फाल्गुनी, ज्येष्ठ सुदी ८
सोम MON	1 पूर्वा फाल्गुनी, वैशाख सुदी ११	8 चतुर्थी व्रत ज्येष्ठा, विश्व रेडक्रॉस दिवस, ज्येष्ठ बदी ३	15 एकादशी व्रत ज्येष्ठ बदी ११, ज्येष्ठ बदी ११	22 मृगशिरा, ज्येष्ठ सुदी ३, महाराणा प्रताप ज.	29 उत्तरा फाल्गुनी, ज्येष्ठ सुदी ९
मंगल TUE	2 उत्तरा फाल्गुनी, वैशाख सुदी १२	9 मूल, ज्येष्ठ बदी ४	16 उत्तरा भाद्रपद, ज्येष्ठ बदी १२	23 आर्द्रा, ज्येष्ठ सुदी ४	30 हस्त, ज्येष्ठ सुदी १०
बुध WED	3 हस्त, वैशाख सुदी १३	10 पूर्वाषाढ़, ज्येष्ठ बदी ५	17 प्रदोष व्रत रेवती, ज्येष्ठ बदी १३, मास शिवरात्रि	24 पुनर्वसु, ज्येष्ठ सुदी ५	31 हस्त ज्येष्ठ सुदी ११, निर्जला एकादशी व्रत
गुरु THU	4 चित्रा, वैशाख सुदी १४	11 उत्तराषाढ़, ज्येष्ठ बदी ६	18 अश्विनी, ज्येष्ठ बदी १४	25 पुष्य, ज्येष्ठ सुदी ६	
शुक्र FRI	5 पीपल पूर्णिमा व्रत स्वाति, वैशाख स्नान पूर्ण, वैशाख सुदी १५	12 श्रवण, ज्येष्ठ बदी ७	19 अमावस्या भरणी, श्री शनि ज., ज्येष्ठ बदी ३०	26 आश्लेषा, ज्येष्ठ सुदी ७	
शनि SAT	6 विशाखा, ज्येष्ठ बदी १	13 धनिष्ठा, विश्व एकता दिवस, ज्येष्ठ बदी ८/९	20 करवीर व्रत कृत्तिका, ज्येष्ठ सुदी १	27 मघा, ज्येष्ठ सुदी ७	

2023 के व्रत,त्यौहार एवं महोत्सव,दिवस,जयन्ति और पुण्यतिथि

7- रवीन्द्र नाथ टैगोर जयंती
17. प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि
19 वट सावित्रि व्रत, अमवावस्या
20 चंद दर्शन
22 महाराणा प्रताप जयंती

JUNE 2023

रविवार SUN		5 आश्लेषा, ज्येष्ठ शुक्ल 6, विश्व पर्यावरण दिवस	12 विशाखा, ज्येष्ठ शुक्ल 13	19 धनिष्ठा, आषाढ़ कृष्ण 6	26 कृतिका, आषाढ़ कृष्ण 13
सोमवार MON		6 मघा, ज्येष्ठ शुक्ल 6	13 अनुराधा, ज्येष्ठ शुक्ल 14	20 पूर्व भाद्रपदा, आषाढ़ कृष्ण 7	27 रोहिणी, आषाढ़ कृष्ण 14
मंगलवार TUE		7 पूर्व फाल्गुनी, ज्येष्ठ शुक्ल 7	14 ज्येष्ठा, ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा	21 उत्तर भाद्रपदा, आषाढ़ कृष्ण 8, योग दिवस	28 मृगशीर्षा, आषाढ़ कृष्ण 14
बुधवार WED	1 मृगशीर्षा, ज्येष्ठ शुक्ल 2	8 उत्तराफाल्गुनी, ज्येष्ठ शुक्ल 8	15 मूल, आषाढ़ कृष्ण 1	22 रेवती, आषाढ़ कृष्ण 9	29 आर्द्रा, आषाढ़ कृष्ण अमावस्या
गुरुवार THU	2 आर्द्रा, ज्येष्ठ शुक्ल 3	9 हस्त, ज्येष्ठ शुक्ल 9	16 पूर्वाषाढ़ा, आषाढ़ कृष्ण 2	23 रेवती, आषाढ़ कृष्ण 10	30 पुनर्वसु, आषाढ़ शुक्ल 1
शुक्रवार FRI	3 पुनर्वसु, ज्येष्ठ शुक्ल 4	10 चित्रा, ज्येष्ठ शुक्ल 10, निर्जला एकादशी	17 उत्तराषाढ़ा, आषाढ़ कृष्ण 3	24 अश्विनी, आषाढ़ कृष्ण 11	
शनिवार SAT	4 पुष्य, ज्येष्ठ शुक्ल 5	11 स्वाति, ज्येष्ठ शुक्ल 11	18 श्रवण, आषाढ़ कृष्ण 5, पंचक प्रारम्भ शाम 06:43 से	25 भरणी, आषाढ़ कृष्ण 12	

2023 के व्रत,त्यौहार एवं महोत्सव,दिवस,जयन्ति और पुण्यतिथि

01- प्रदोष व्रत
03 पूर्णिमा व्रत, सत्य व्रत
04 कबीर जयंती, पूर्णिमा
07 संकष्टी गणेश चतुर्थी
10 कालाष्टमी
15 प्रदोष व्रत
16 मास शिवरात्रि
18 अमावस्या
22 पुरी जगन्नाथ रथ यात्रस
22- वरद चतुर्थी
26 दुर्गाष्टमी व्रत
29 बकरीद (ईद-उल-अज़हा)

साल 5 बेमिसाल
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

मासिक
कुमावत इंडिया
कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com Website : www.kumawatindiapatrika.in

JULY 2023

रवि	30	2	9	16	23
सोम MON	31	3	10	17	24
मंगल TUE		4	11	18	25
बुध WED		5	12	19	26
गुरु THU		6	13	20	27
शुक्र FRI		7	14	21	28
शनि SAT	1	8	15	22	29

2023 के व्रत,त्यौहार एवं महोत्सव,दिवस,जयन्ति और पुण्यतिथि

01– प्रदोष व्रत
03 पूर्णिमा व्रत, पूर्णिमा व्रत, सत्य व्रत, पूर्णिमा
04– संकटी गणेश चतुर्थी
14 रोहिणी व्रत
15 प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि
17 सोमवार व्रत, अमावस्या
19 चंद्र दर्शन
21 वरद चतुर्थी
24 षष्टी
26 दुर्गाष्टमी व्रत
29 आशुरा के दिन
30 प्रदोष व्रत

AUGUST 2023

रवि		6	13	20	27
सोम MON		7	14	21	28
मंगल TUE	1	8	15	22	29
बुध WED	2	9	16	23	30
गुरु THU	3	10	17	24	31
शुक्र FRI	4	11	18	25	
शनि SAT	5	12	19	26	

△ मूल ज्येष्ठा के △
ता. २५ दिवा ६।१४ से प्रा. तथा ता. २६ प्रातः ८।३८ तक फिर मूल प्रा. तथा ता. २७ प्रातः ७।१६ पर समाप्त।

△पंचक नक्षत्र वेला△
ता. २ रात्रि ११।२६ से प्रा. तथा ता. ६ रात्रि शेष १।४४ तक तथा पुनः ता. ३० दिवा १०।१९ से प्रा. तथा ता. ३ सितम्बर दिवा १०।३९ पर समाप्त।

2023 के व्रत,त्यौहार एवं महोत्सव,दिवस,जयन्ति और पुण्यतिथि

01 पूर्णिमा व्रत, पूर्णिमा व्रत, सत्य व्रत
04– संकटी गणेश चतुर्थी
08– कालाष्टमी
10 रोहिणी व्रत
13 प्रदोष व्रत
14 मास शिवरात्रि
15 स्वतंत्रता दिवस
16 अमावस्या
17 चंद्र दर्शन
19 हरियाली तीज
20 वरद चतुर्थी
22 षष्टी
24 दुर्गाष्टमी व्रत
28 सोम प्रदोष व्रत, प्रदोष व्रत
29 ओणम
30 सत्य व्रत, पूर्णिमा व्रत, रक्षा बंधन
31 पूर्णिमा

SEPTEMBER 2023

रवि		3	10	17	24
सोम MON		4	11	18	25
मंगल TUE		5	12	19	26
बुध WED		6	13	20	27
गुरु THU		7	14	21	28
शुक्र FRI	1	8	15	22	29
शनि SAT	2	9	16	23	30

2023 के व्रत,त्यौहार एवं महोत्सव,दिवस,जयन्ति और पुण्यतिथि

02– संकष्टी गणेश चतुर्थी
06– बुधाष्टमी व्रत, कालाष्टमी
07– रोहिणी व्रत, श्री कृष्ण जम्माष्टमी
08 नन्द उत्सव
12 प्रदेश व्रत
13 मास शिवरात्रि
14 अमावस्या
16 चंद्र दर्शन
17 विश्वकर्मा जयंती
18 सोमवार व्रत, हस्तालिका तीज
19 गाणेशोत्सव, वरद चतुर्थी
20 ऋषि पंचमी
21 षष्टी
23 दुर्गाष्टमी व्रत
27 प्रदोष व्रत
28 मीलाद उन – नबी, अनंत चतुर्दशी
29 पूर्णिमा व्रत

OCTOBER 2023

रवि	1	8	15	22	29
सोम MON	2	9	16	23	30
मंगल TUE	3	10	17	24	31
बुध WED	4	11	18	25	
गुरु THU	5	12	19	26	
शुक्र FRI	6	13	20	27	
शनि SAT	7	14	21	28	

2023 के व्रत,त्यौहार एवं महोत्सव,दिवस,जयन्ति और पुण्यतिथि

02 संकटी गणेश चतुर्थी , गाँधी जयंती
04 रोहिणी व्रत
06 कालाष्टमी
11 प्रदोष व्रत
12 मास शिवरात्रि
14 अमावस्या, महालय अमावस्या
घटस्थापना
चंद्र दर्शन, सोमवार व्रत
वरद चतुर्थी
20 षष्टी
21 महा सप्तमी
22 दुर्गाष्टमी व्रत
23 महा नवमी
24 विजय दशमी
26 प्रदोष व्रत
28 शरद पूर्णिमा
31 रोहिणी व्रत

NOVEMBER 2023

रवि		5	12	19	26
सोम MON		6	13	20	27
मंगल TUE		7	14	21	28
बुध WED	1	8	15	22	29
गुरु THU	2	9	16	23	30
शुक्र FRI	3	10	17	24	
शनि SAT	4	11	18	25	

2023 के व्रत,त्यौहार एवं महोत्सव,दिवस,जयन्ति और पुण्यतिथि

01 करवा चौथ, संकष्टी गणेश चतुर्थी
05 कालाष्टमी
10 प्रदोष व्रत, धनतेरस
11 मास शिवरात्रि
12 दिवाली , लक्ष्मी पूजा
13 सोमवार व्रत
14 गोवर्धन पूजा
15 भाई दूज
16 वरद चतुर्थी
18 षष्टी
19 छठ पूजा
20 दुर्गाष्टमी व्रत
21 अक्षय नवमी
25 प्रदोष व्रत
26 देव दिवाली
27 गुरू नानक जयंती , कार्तिक पूणिमा
28 रोहिणी व्रत
30 संकष्टी गणेश चतुर्थी

DECEMBER 2023

रवि	31	3	10	17	24
सोम MON		4	11	18	25
मंगल TUE		5	12	19	26
बुध WED		6	13	20	27
गुरु THU		7	14	21	28
शुक्र FRI	1	8	15	22	29
शनि SAT	2	9	16	23	30

2023 के व्रत,त्यौहार एवं महोत्सव,दिवस,जयन्ति और पुण्यतिथि

05 कालाष्टमी
10 प्रदोष व्रत, धनतेरस
11 मास शिवरात्रि
12 भौमवती अमावस्या
14 चंद्र दर्शन
16 वरद चतुर्थी
18 सोमवार व्रत, षष्टी
20 दुर्गाष्टमी व्रत
22 गीता जयंती
23 वैकुंठ एकादशी
24 प्रदोष व्रत
25 रोहिणी व्रत, क्रिसमस
26 सत्य व्रत, पूर्णिमा, पूर्णिमा व्रत
30 संकष्टी गणेश चतुर्थी
31 नववर्ष की पूर्वसंध्या

अलविदा 2022

यादों का सफरनामा-2022

शुभ स्वागतम् 2023

खट्टी-मीठी यादों के साथ साल 2022 हमसे विदा हो रहा है और नववर्ष 2023 दस्तक दे रहा है। नए साल के आगाज़ के साथ ही लोग अपने नए संकल्पों को पूरा करने में जुट जाते हैं। नए साल के जश्न में रात को 12 बजते ही लोग अपनी बांह खोलकर नए साल का धूमधाम से स्वागत करते हैं। साल के आखिरी दिन को खुशी-खुशी विदा करने के लिए जश्न का आयोजन किया जाता है और फिर उसी जश्न के दौरान पुराने साल को विदा करके नए साल का हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया जाता है। नए साल के आगमन के साथ ही लोग एक-दूसरे को नए साल की मंगल कामना देते हैं।

नया साल एक कोरी किताब की तरह होता है। कलम आपके हाथ में है, यह अवसर आपके लिए अपने लिए एक सुंदर कहानी लिखने का अवसर है। बीते दिन हर एक के लिए कठिन थे, हो सकता है आगे और भी कठिन दिन आएं लेकिन सोच अगर सकारात्मक होगी तो वे कठिनाइयां मुश्किल नहीं लगेगी। ठीक जैसे सूरज रोज हमें रोशनी देने के इरादे से ही अपनी किरणों का उजास फैलाता है। किसी दिन बादल आ भी जाएं तो भी सूरज फिर निकलता है, उसी ऊर्जा के साथ, उन्हीं इरादों को संग लिए। तो आप भी बांध लीजिये दिल में हौसलों और पक्के इरादों की पुड़िया, जो जब भी खुले आपके लिए जादुई असर कर डाले। इस जादू पर यकीन के साथ कीजिए नए साल का स्वागत। मुझे उम्मीद है कि नया साल 2023 आपके लिए सकारात्मकता से भरा होगा। नववर्ष की हार्दिक शुभकामनां।

'**कुमावत इंडिया**' पत्रिका का सदैव प्रयास रहा है कि समाज की सटीक, सही और सच्ची खबरें आप तक पहुंचाई जावे और काफी हद तक आप सभी के प्यार और सहयोग से कामयाब भी रही है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के सह सम्पादक जयसिंह गुडीवाल ने '**यादों का सफरनामा-2022**'' के माध्यम से प्रयास कर वर्ष 2022 में समाज की घटनाओं/समाचारों को एक साथ आपके समक्ष प्रस्तुत किया है आशा है आपको अवश्य पसंद आयेगी-

जनवरी-22

1. टोंक। बनास नदी पर बने नेगडिया हाईलेवल ब्रिज पर संतुलन बिगड़ने से एक युवती नदी में गिर गई। हंसराज कुमावत ने नदी में छलांग लगाकर युवती को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके लिए हंसराज कुमावत को जिला कलेक्टर, टोंक द्वारा दिया प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।
2. गुजरात। कैलाश घोडावड़ भाजपा गुजरात प्रदेश के भाषाभाषी सेल के सदस्य नियुक्त किया।
3. जयपुर। शिक्षाविद् पूरणचंद कुमावत का निधन- जयपुर शहर के जाने माने शिक्षाविद् पूरण चंद कुमावत का निधन हो गया। कुमावत अनेक सामाजिक संस्थाओं और शिक्षण संस्थाओं में संस्थापक और पदाधिकारी रहे।
4. जयपुर। टीम चेतन धुंधारिया द्वारा कोरोना जागरूकता अभियान- टीम चेतन धुंधारिया द्वारा मकर संक्रान्ति के अवसर पर कोरोना से बचाव व लोगों को वैक्सीनेशन करवाने के लिए जागरूकता अभियान शुरू किया जिसमें 10,000 पतंगे घर-घर जाकर वितरीत की।
5. जयपुर। मनीष कुमावत सम्पादक मंडल सदस्य, अशोक कुमावत व श्रीमती शशिकला बालोदिया को कुमावत इंडिया पत्रिका में व्यवस्थापक मंडल सदस्य नियुक्त किया।
6. उदयपुर। कुमावत महासभा का प्रांतीय अधिवेशन झीलों की नगरी उदयपुर में सम्पन्न।

फरवरी-22

1. जयपुर। मालवीय नगर समाज भवन, जयपुर की भूमि का पट्टा लेकर पंजीकृत करवाया- कुमावत समाज को मालवीय नगर जयपुर में मिली अतिरिक्त भूमि सहित संशोधित पट्टा व कब्जा, जेडीए द्वारा कुमावत समाज विकास समिति मालवीय नगर जयपुर के अध्यक्ष रमेश चंद कुमावत को सौंपा।
2. जयपुर। डूंगर राम गैदर राजस्थान शिल्प एवं माटी कला बोर्ड के उपाध्यक्ष नियुक्त।
3. जयपुर। टीम चेतन धुंधारिया ने दिया राबाउमा विद्यालय जाहोता को हैरिटेज लुक दिया। यह सरकारी स्कूलों को निजी स्कूलों की भांति लुक देने, बेटियों को शिक्षा के प्रति जागृत करने के उद्देश्य से इस विद्यालय को हैरिटेज लुक दिया गया है।
4. श्री ईश्वर लाल वर्मा को उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के चेयरमैन नियुक्त किये गये।

मार्च-22

1. जयपुर। बाबू शोभाराम की 38वीं पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री निवास पर

कार्यक्रम- बाबू शोभाराम कुमावत मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से कार्यक्रम का आयोजन कर पोस्टर का विमोचन किया गया व कुमावत समाजबंधुओं से मुख्यमंत्री ने संवाद किया।

2. जयपुर। ढूंढाड धमाल का आयोजन- ढूंढाड परिषद की ओर से ढूंढाड धमाल 2022 का आयोजन ईपी लॉन, जयपुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया रहे।
3. जयपुर। विवेकानन्द जयंती के अवसर पर युवा संस्कृति एवं राजस्थान युवा छात्र संस्था की ओर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें सुनील कुमावत को 'शिक्षा के क्षेत्र' में व मोहन कुमार बालोदिया को 'गायन के क्षेत्र' में विवेकानन्द गौरव अवार्ड 2022 से सम्मानित किया गया।
4. जयपुर। राजस्थान क्षत्रिय युवा शक्ति समिति, जयपुर द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन- राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति समिति के तत्वाधान में पंकज सिरोहिया के पुत्र मनविक सिरोहिया के जन्मदिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इसमें 39 यूनिट रक्त एकत्र हुआ।
5. राजस्थान प्रदेश के अजमेर जिले की रहने वाली भूमिका कुमावत ने सीए बनकर पूरे देश में अजमेर अंचल का नाम रोशन किया।
6. समाज के शिक्षकों का राज्यस्तरीय सम्मान- पुरस्कृत शिक्षक फोरम तथा तेजकरण डाडिया सूरज बाई डांडिया मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से सम्मान समारोह में प्रभुदयाल कुमावत पीपलोदा व श्री परमेश्वर प्रसाद कुमावत को उत्कृट सेवाओं के लिए सम्मानित किया।

अप्रैल-22

1. जयपुर। चेतन कुमावत (धुंधारिया) ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष नियुक्त- समाजसेवी, भामाशाह व टीम चेतन धुंधारिया के संस्थापक चेतन कुमावत को भाजपा ने ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर का जिलाध्यक्ष बनाया है।
2. जयपुर। मोहन कुमार बालोदिया की म्यूजिकल नाईट सम्पन्न- 3 अप्रैल 22 को बालोदिया डायमंड आर्केस्ट्रा व बालोदिया इवेन्ट्स की ओर से ऐरा गीतों से सजी '**ये जो मोहब्बत है**' का आयोजन महाराणा प्रताप सभागार में किया गया।
3. जयपुर। आईये पक्षियों का सहारा बनें- टीम चेतन धुंधारिया द्वारा भीषण गर्मी को देखते हुए 'आईये पक्षियों का बने सहारा अभियान' शुरू किया। जिसमें अनेक स्थानों पर पक्षियों के परिण्डे बाधें गये।
4. दादूद्वारा बगीची, कुमावत कॉलोनी, खातीपुरा,जयपुर में श्रद्धेय संत श्री मुरली मनोहर 'अकिंचन' के श्रीमुख से 5 दिवसीय हनुम चरित कथा का आयोजन किया गया।
5. जयपुर। सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा का पंचम स्थापना दिवस एवं सम्मान समारोह जयपुर में आयोजित किया गया जिसमें राजनैतिक चर्चा की गई।

मई-22

1. उदयपुर। रक्तदान शिविर व श्रद्धांजलि सभा का आयोजन- उदयपुर जिला महासभा द्वारा सामूहिक श्रद्धांजलि व रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।
2. उदयपुर। भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) के 76 वर्ष पूर्ण होने पर उदयपुर में राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता दिवस मनाया।
3. जयपुर। समाजसेवी व कुमावत इंडिया पत्रिका के व्यवस्थापक मंडल सदस्य श्री चन्द्रप्रकाश जी अजमेरा का 21 अप्रैल 2022 का आकस्मिक निधन हो गया। ये कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति के मालवीय नगर जयपुर के संस्थापक सदस्य थे।

जून-22

1. जयपुर। स्वामिनी सेवा संस्थान द्वारा आयोजित विशाल रक्तदान शिविर के पोस्टर का विमोचन चेतन कुमावत जिलाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा, जयपुर ने किया।
2. जयपुर। सिटी पैलेस परिसर में आयोजित सांस्कृतिक विरासत प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया। जिसमें बाबूलाल मारोठिया ने मिनियेचर पेंटिंग व कांगडा शैली के आधार पर चित्र बनाने का प्रशिक्षण दिया।
3. कुचामन सिटी। बडला का बास कुचामन में राजकीय सेवाओं में चयनित बच्चों का अभिनंदन समारोह आयोजित कर सम्मान किया।
4. किशनगढ। राजस्थान के किशनगढ़ की योग शिक्षिका मोनिका कुमावत ने गरुडासन के दौरान 33 मिनट 12 सैकेण्ड तक एक पैर पर खड़े रहकर अनूठा रिकार्ड बनाया व गिनीज वर्ल्ड बुक में नाम दर्ज हुआ।
5. पिलानी। पिलानी राजस्थान के प्रसिद्ध मूर्तिकार मातूराम कुमावत के पुत्र श्री नरेश को भारत गौरव अवार्ड के लिए चयनित किया।

जुलाई- अगस्त 22 (5 साल बेमिसाल)

1. जयपुर। कुमावत इंडिया के सफलतम 5 वर्ष पूर्ण-कुमावत प्रगति ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित 'कुमावत इंडिया' पत्रिका ने अगस्त 2022 में पांच वर्ष पूर्ण किये। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका समसामयिक संदेश, प्रतिभाओं को आगे लाना और समाज की गतिविधियों को संकलित कर समाज के लोगों तक पहुचानें का माध्यम बने इस उद्देश्य से शुरू की गई थी। समाज के लोगों द्वारा 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सराहा गया। उसी का परिणाम है कि कुमावत इंडिया पत्रिका ने नित नये आयाम स्थापित किये और आज पूरे देश में पत्रिका समाजबंधुओं तक पहुंच रही है।
2. जयपुर। जयसिंह कुमावत (गुडीवाल) भाजपा ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर के जिला मंत्री नियुक्त- कुमावत इंडिया पत्रिका के सह सम्पादक जयसिंह कुमावत को भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर जिला मंत्री व संदीप कुमावत को जिला कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया।

3. जयपुर। रक्तदान शिविरों का आयोजन- स्वामिनी सेवा संस्था व श्रीमती भंवरी देवी कुमावत चैरिटेबल सोसायटी द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। दोनों संस्थाओं द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में क्रमश: 84 व 217 रक्तवीरों ने रक्तदान किया।
4. जयपुर। कुमावत समाज भवन मालवीय नगर, जयपुर का लोकार्पण 8-9 जुलाई को किया गया।
5. इंदौर। मध्यप्रदेश सांवेर में उज्जैन महाकालेश्वर तक कलश यात्रा निकाली गई।

सितम्बर-22

1. जयपुर। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के स्वर्णिम 5 वर्ष पूर्ण पत्रिका के विशेषांक का भव्य विमोचन समाज के विधायक, राजनेता तथा राष्ट्रीय अध्यक्षों ने शिरकत की- कुमावत इंडिया पत्रिका के स्वर्णिम 5 वर्ष पूर्ण होने पर कुमावत इंडिया पत्रिका परिवार की ओर से '**5 साल बेमिसाल**' विशेषांक का विमोचन व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि चेतन कुमावत जिलाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर ने कहा कि पत्रिका ने 5 साल की अल्पअवधि में समाज में अपनी अलग पहचान बनाकर अनूठे आयाम स्थापित किये हैं।
2. जयपुर। टीम चेतन धुंधारिया को सामाजिक कार्यो में अपनी महति भूमिका निभाने व चिकित्सा सेवा (क्षय रोग) को लेकर उल्लेखनीय सेवा के लिए राज्यस्तरीय कार्यक्रम में महामहिम राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने शॉल, श्रीफल व प्रशस्ति पत्र देकर 'निक्षय मित्र' से सम्मानित किया। टीम के प्रवक्ता जयसिंह गुडीवाल ने यह सम्मान ग्रहण किया।
3. कुचामन सिटी। राजस्थान क्षत्रिय युवाशक्ति के तत्वाधान में इमर्जिंग लीडरशिप कार्यक्रम का आयोजन किया।
4. जयपुर। संयुक्त सचिव पद पर धरा कुमावत विजयी- राजस्थान विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव में संयुक्त सचिव पद पर धरा कुमावत विजयी हुई।
5. जयपुर। श्रवण कुमावत महेश नगर मंडल ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष नियुक्त।
6. जयपुर। अनूठे अंदाज में मनाया जन्मदिन- कनिष्का कुमावत (गुडीवाल) ने अपने जन्मदिन पर 'समाजोत्थान व विकास कार्यों' के लिए अपनी बचत से 11,111/- रु. कुमावत क्षत्रिय विकास समिति, बरकत नगर, जयपुर को भेंट किए।

अक्टूबर-22

1. उदयपुर। उदयपुर के तुषार मंडावरा ने कराटे में दो रजत पदक जीतकर समाज का नाम रोशन किया है।
2. जयपुर। हर घर दीवाली महोत्सव- स्वामिनी सेवा संस्थान द्वारा हर घर दीवाली महोत्सव का आयोजन किया गया। संस्था द्वारा 11000 मिठाई के पैकिट तैयार गरीब, असहाय व जयपुर के सरकारी चिकित्सालयों में भर्ती रोगियों को मिठाई वितरीत की गई।
3. जयपुर। मुकेश वर्मा पुन: पीसीसी सचिव नियुक्त- श्री मुकेश वर्मा को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी का पुन: सचिव नियुक्ति किया गया।
4. जयपुर। रास घूमर का आयोजन- कुमावत क्षत्रिय महिला विकास संस्था द्वारा शरद पूर्णिमा के अवसर पर रास घूमर का आयोजन किया गया। संस्था विगत 10 वर्षो से इस तरह के आयोजन करती रही है।

नवम्बर-22

1. नाथद्वारा। शिव प्रतिमा '**विश्वास स्वरूपम का लोकार्पण**- विश्व की सबसे ऊँची शिव प्रतिमा राजस्थान के श्रीनाथजी की नगरी नाथद्वारा में लोकार्पण किया गया। समाज के मूर्तिकार **नरेश कुमावत** ने इस मूर्ति को बनाकर समाज का नाम रोशन किया है।
2. जयपुर। समाजसेवी, भामाशाह, टीम चेतन धुंधारिया के संस्थापक व भाजपा ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत ने अपने जन्मदिवस पर 101 बच्चियों के सुकन्या समृद्धि खाते खुलवाये। कार्यकर्ताओं ने अनेक सेवा कार्यों के कार्यक्रमों का आयोजन भी करवाया।
3. जयपुर। हस्तशिल्प के क्षेत्र में किये उत्कृष्ट कार्यों के लिए सवाई मानसिंह द्वितीय संग्रहालय द्वारा जेम स्टोन को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाले अमृत सिरोहिया को भगवंत दास अवार्ड दिया गया।
4. जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी मोर्चा धनराज कुमावत को महासचिव नियुक्त किया।

दिसम्बर-22

1. जयपुर। नीतू गैदर भाजपा ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया गया। पीयूष कुमावत को जिला मंत्री नियुक्त किया गया।
2. टीम चेतन धुंधारिया द्वारा योग विद्या प्राणिक हीलिंग उपचार शिविर का आयोजन- अनुकृति कुमावत की याद में टीम चेतन धुंधारिया द्वारा योग विद्या प्राणिक हीलिंग उपचार का शिविर का आयोजन किया गया।
3. विमला देवी कुमावत राष्ट्रीय सेवा सम्मान से सम्मानित- जयपुर महानगर टाइम्स के 25वें रजत महोत्सव में विमला देवी कुमावत को **राष्ट्रीय सेवा से सम्मानित** किया गया।
4. जयपुर। डिस्ट्रिक्ट एडवोकेटस बार एसोसिएशन चुनाव-2022 में सुमित्रा कुमावत उपाध्यक्ष पद पर नंदकिशोर कुमावत व सीताराम कुमावत कार्यकारिणी सदस्य के पद पर विजयी घोषित हुए।

12 जनवरी जन्मदिन पर विशेष

स्वामी विवेकानन्द

12 जनवरी, 1863 को बंगाल के एक कुलीन बंगाली कायस्त परिवार में बालक नरेन्द्रनाथ का जन्म हुआ, ये आगे चलकर स्वामी विवेकानन्द कहलाये। ये स्वामी रामकृष्ण परमहंस से काफी प्रभावित थे तथा उनके सुयोग्य शिष्य थे। स्वामी रामकृष्ण की मृत्यु के बाद इन्होंने भारतीय उपमहाद्वीप की यात्रा की और तत्कालीन परिस्थितियों का ज्ञान प्राप्त किया। वर्ष 1893 में **'विश्व धर्म संसद'** शिकागो में इन्होंने भारतीय सनातन धर्म का प्रतिनिधित्व किया, जहां उन्हें 2 मिनट बोलने का समय मिला। उनके उद्‌बोधन के प्रथम वाक्य था, **''मेरे अमेरिकी बहनों एवं भाइयों।''** इस वाक्य ने वहां पर सभी का दिल जीत लिया और उन्हें एक लम्बे भाषण का अवसर मिला। उनके विचार सुनकर सभी विद्वान चकित रह गये। दूसरे दिन अमेरिका के प्रमुख समाचार पत्रों के मुख पृष्ठ पर उन्हीं की चर्चा थी। अमेरिका तथा यूरोप के कई देशों की उन्होंने यात्रा की तथा हिन्दु दर्शन के सिद्धान्तों का प्रसार किया एवं भारतीय तत्वज्ञान की अद्‌भुत ज्योति प्रदान की। स्वामीजी का दृढ़ विश्वास था कि **''आध्यात्मक विद्या और भारतीय दर्शन के बिना विश्व अनाथ हो जायेगा।''** उन्होंने रामकृष्ण मिशन की अनेक शाखाएं अमेरिका में स्थापित की तथा अनेक अमेरिकी लोगों ने उनसे शिष्यत्व ग्रहण किया। वे महान देशभक्त, वक्ता, विचारक, लेखक और मानवता प्रेमी थे। अमेरिका से लौटकर आने पर उन्होंने भारतीयों से आह्वान किया कि, **''उठो, जागो, स्वयं जागकर औरों को जगाओ, अपने नर जन्म को सफल करो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त नहीं हो जाये।''**

स्वामी विवेकानन्द मेकाले की अंग्रेजी शिक्षा व्यवस्था के विरोधी थे। वे चाहते थे कि शिक्षा ऐसी हो जिससे बालक का सर्वांगीण विकास हो। वे व्यवहारिक शिक्षा के हिमायती थे। उनका कहना था हमें ऐसी शिक्षा चाहिये जिससे चरित्र का गठन हो, मन का बल बढ़े, बुद्धि का विकास हो और व्यक्ति स्वावलम्बी बने। विवेकानन्द जी ने कहा कि-

- हम जो बोते हैं वो ही काटते हैं। हम स्वयं अपने भाग्य के निर्माता हैं।
- जब तक आप खुद पर विश्वास नहीं करते तब तक आप भगवान पर विश्वास नहीं कर सकते।
- खुद को कमजोर समझना सबसे बड़ा पाप है।
- एक समय में एक काम करो और ऐसा करते समय अपनी पूरी आत्मा उसमें डाल दो और बाकी सब कुछ भूल जाओ।
- चिंतन करो, चिंता नहीं, नये विचारों को जन्म दो

4 जुलाई 1902 को भारत के इस महान विचारक, एवं वक्ता विवेकानन्द ने कम आयु में महासमाधि ले ली।

पुण्य तिथि 11 जनवरी पर विशेष

लाल बहादुर शास्त्री

लाल बहादुर शास्त्री का जन्म 2 अक्टूबर, 1904 को मुगलसराय (वाराणसी) को मुंशी शारदा प्रसाद श्रीवास्तव के यहां हुआ। जब वे 18 माह के थे तो पिता का देहवासन हो गया और इनकी माँ दुलारी देवी अपने पिता के यहां मिर्जापुर आ गयी, यहीं उनकी शिक्षा दीक्षा हुई। काशी विद्यापीठ से इन्हें 'शास्त्री' की उपाधि मिली जिसे इन्होंने नाम के साथ लगा लिया। शास्त्रीजी सच्चे गांधी भक्त थे, इन्होंने अपना जीवन, देश सेवा में सादगी और गरीबों की सेवा में बिताया। **असहयोग आन्दोलन 1921, दाण्डी मार्च 1930, भारत छोड़ो आन्दोलन 1942** में भाग लिया व जेल गये। इन्होंने गांधी जी का नारा **'करो या मरो'** का चतुरता से **'मरो नहीं मारो'** में बदल दिया।

स्वतंत्रता के बाद ये महत्वपूर्ण पदों पर रहे। इन्हें रेल मंत्री तथा गृह मंत्री भी बनाया गया। नेहरू जी के निधन के बाद इन्हें प्रधानमंत्री बनाया गया। वर्ष 1965 में जब पाकिस्तान ने भारत पर आक्रमण किया तो इन्होंने सेना को खुली छूट दी तथा भारतीय सेना लाहोर के निकट तक पहुंच गई। शास्त्री जी को युद्ध समाप्त करने के लिए ताशकंद बुलाया गया तो उन्होंने कहा कि वे जीती हुई जमीन नहीं लौटायेंगे। किन्तु अन्तर्राष्ट्रीय दबाव में पाकिस्तान से समझौता करना पड़ा। उसी रात 11 जनवरी, 1966 को उनकी रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। भारत में उनकी अन्तेष्टि पूरे राजकीय सम्मान से **शान्तिवन** दिल्ली में की गई तथा इस स्थल को **विजयघाट** नाम दिया।

1965 में जब अनाज की कमी थी तो उन्होंने **'जय जवान जय किसान'** का नारा दिया। उन्होंने **एक दिन उपवास** रखने का आह्वान भी किया इसे देशवासियों ने माना। शास्त्री जी विनम्र स्वभाव व मृदु व्यवहार के धनी थे तथा लोगों से जुड़न की उनमें अभूतपूर्व क्षमता थी। जब वे रेलमंत्री थे तो एक रेल दुर्घटना में कई लोगों की जान चली गई, उन्होंने इसकी जिम्मेदारी लेते हुए रेलमंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्हें **हरित क्रांति** तथा **श्वेत क्रांति** के लिए भी जाना जाता है। बचपन में इनका दाखिला गंगा नदी पर स्कूल में हुआ। इनके पास नाव में बैठने के पैसे नहीं थे तो वे तैरकर नदी पार करते थे व स्कूल जाते आते थे। ऐसी सादगी पसंद लाल बहादुर को उनकी पुण्य तिथि पर हम सभी का नमन।

इन्हें भी आजमाइये

लहसुन (Garlic)

लहसुन के सेवन से रोगों से बचाव होता है। इसके सेवन से शरीर में गर्मी रहती है, कृमि नष्ट हो जाते हैं तथा चेहरे पर चमक आती है। यह रक्त, ताकत तथा वीर्य वृद्धि करता है। डॉक्टर हृदय रोगियों को लहसुन का सेवन करने का परामर्श देते हैं। यह कब्ज, गैस, सूजन, कफ, खांसी नाशक है। इसके सेवन से पेशाब खुलकर आता है। यह फेफड़े, क्षयरोग, गठिया, दाद, खाज-खुजली में आराम देता है। कान में दर्द हो तो लहसुन को गर्म सरसों के तेल में उबाल कर उस तेल की 1-2 बूंद कान में डालने से कान दर्द में राहत मिलती है।

लहसुन सुपर फूड है। शरीर को प्राकृतिक रूप से डिटॉक्स करने, इम्यूनिटी को बढ़ाने, इन्फेक्शन को दूर करने में लहसुन खाना लाभदायक है।

शहद-लहसुन : सर्दियों में लहसुन को शहद के साथ खाने अथवा शहद में डूबा लहसुन खाने पर सर्दी, जुकाम, साइनस की समस्या नहीं आती है। इससे गले में खराश होने पर आराम मिलता है। अस्थमा रोगियों के लिए यह रामबाण से कम नहीं है। वजन कम करने के लिए भी लहसुन शहद का सेवन उपयोगी होता है। हार्ट ब्लॉकेज की समस्या हो तो इसके सेवन से कॉलेस्ट्रोल कम होता है ओर हृदय रोगियों को लाभ होता है।

1. लहसुन को आँच पर भूनकर उसके छिलके उतार कर रात को खाना चाहिये तथा इसके बाद पानी नहीं पीना चाहिये।

2. लहसुन की कलियां छीलकर शहद के बर्तन में डाल देंवे तथा रोज सुबह 2 कलियों का सेवन करें।

3. लहसुन की 2 कलियों का पेस्ट बनाकर उसमें शहद डाल दें और प्रात:काल सेवन करें।

4. लहसुन की चटनी बनाकर उसका सेवन करना लाभप्रद है।

5. सब्जियों में लहसुन का उपयोग किया जा सकता है।

तिल : तिल में कैल्सियम की मात्रा बहुतायत में पायी जाती है। इसके सेवन से मेटाबॉलिज्म बढ़ता है। इसका सेवन करने से हड्डियां, दांत व बाल मजबूत होते हैं। यह भूख बढ़ाता है तथा पाचन शक्ति को ठीक करता है। इसमें एंटी ऑक्सीडेट पाये जाने से इसका सेवन कैंसर सेल्स की वृद्धि को नियंत्रित करता है। हाई ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में तिल का सेवन कारगर होता है। सर्दियों में तिल के तेल की मालिश करने से त्वचा का रुखापन मिट जाता है। इसमें विटामिन बी काम्प्लेक्स की प्रचूरता होती है, इससे शारीरिक कमजोरी दूर होती है व शरीर में शक्ति का संचार होता है। कहा गया है कि तिल का सेवन करने पर वृद्धावस्था बढ़ने में कमी आती है।

सर्दियों में काले तिल खाने का परामर्श दिया जाता है। पुराने लोग तिल के लड्डू, गजक, रेवड़ी आदि का सेवन सर्दियों में अवश्य करते थे। इससे सर्दी से बचाव होता था।

नोट : रोगी इनका सेवन डॉक्टर से परामर्श करके ही करें।

नवाचार

आओ संस्कृत सीखे

संस्कृत	हिन्दी
नमस्ते/नमस्कार:	नमस्ते/नमस्कार
प्रणाम:	प्रणाम
धन्यवाद:	धन्यवाद
स्वागतम्	स्वागत
क्षम्यताम्	क्षमा कीजिए
चिन्तामास्तु	कोई बात नहीं/जाने दो
कृपया	कृपया
पुन: मिलाम:	फिर मिलेंगे
अस्तु	ठीक है/जी हाँ/जी
श्रीमन्/मान्यवर	श्रीमान्/मान्यवर
मान्ये	श्रीमतीजी
उत्तमम्/शोभनम्	अच्छा
बहुउत्तमम्	बहुत अच्छा
भवत: नाम किम्	आपका नाम क्याहै? (पु.)
भवत्या: नाम किम्	आपका नाम क्याहै? (स्त्री.)
मम् नाम '.....'	मेरा नाम '.....'
एष: मम मित्रं '.....'	यह मेरा मित्र '.....'
एषा: मम सखी '.....'	यह मेरी सखी '.....'

व्यवहारिक शब्दावली

संस्कृत	हिन्दी
• सम्मार्जनी	झाड़ू
• स्यूत:	थैला
• मुद्रिका	अंगूठी
• चषक:	गिलास
• चमस:	चम्मच
• स्थालिका	थाली
• कंस:	कटोरी
• कूपी	बोतल
• द्वारम्	दरवाजा
• शय्या	बिस्तर
• कम्बलम्	कम्बल
• कङ्कणम्	कंगन
• समीकर:	प्रैस
• क्षुरपत्रम्	ब्लेड
• आलिन्द:	बरामदा

-**परमेश्वर प्रसाद कुमावत** (राज्य पुरस्कृत शिक्षक),
शाहपुरा (भीलवाड़ा) 9829321742

ज्योतिष में रोग और चिकित्सा

ज्योतिष शास्त्र में स्वास्थ्य को भी महत्वपूर्ण माना गया है और प्राचीन समय से ज्योतिष रोगो का निदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। इसके लिए अनेक प्रकार के ज्योतिषीय योग बताए गए हैं ! रोग के भावों, उनके स्वामियों, लग्न व लग्नेश की स्थिति और लग्न पर पापी ग्रहों की युति व उनकी दृष्टियों से रोग की प्रकृति, उसका प्रभाव तथा उसके कारणों का विश्लेषण किया जा सकता है।

चिकित्सा ज्योतिष में प्रत्येक राशि तथा ग्रह- शरीर के किसी न किसी अंग का प्रतिनिधित्व करता है। जिस ग्रह का जिस राशि पर दूषित प्रभाव होता है उससे संबंधित अंग पर रोग के प्रभाव का पता लगाया जा सकता है। जन्मकुण्डली में प्रथम भाव से शारीरिक कष्ट एवं स्वास्थ्य का विचार होता है। द्वितीय एवं सप्तम भाव आयु के व्ययसूचक हैं। छठा भाव बीमारी और अष्टम भाव मृत्यु और उसके कारणों का है। बीमारी पर उपचारार्थ व्यय का विचार जन्मकुण्डली के द्वादश भाव से किया जाता है। इन भावों में स्थित ग्रह और इन भावों पर दृष्टि डालने वाले ग्रह व्यक्ति को अपनी महादशा, अंतर्दशा और गोचर में विभिन्न प्रकार के रोग उत्पन्न करने की क्षमता रखते हैं।

मानव के शरीर में ग्रहों का अपना एक मुख्य स्थान है जेसे- सूर्य को शरीर कहा गया है, चन्द्रमा को मन, मंगल को सत्व, बुध को वाणी-विवेक, गुरु को ज्ञान और सुख, शुक्र को काम और वीर्य, शनि को दु:ख, कष्ट और परिवर्तन तथा राहु और केतु को रोग एवं चिंता का अधिष्ठाता ग्रह माना है। वैदिक ज्योतिष में छठवाँ भाव रोग, आठवां भाव मृत्यु तथा बारहवाँ भाव शारीरिक व्यय व पीड़ा का माना जाता है। षष्ठ, अष्टम एवं द्वादश भाव के स्वामी जिस भाव में होते है उससे संबद्ध अंग में पीड़ा हो सकती है। किसी भी भाव का स्वामी 6, 8 या 12वें में स्थित हो तो उस भाव से सम्बंधित अंगों में पीड़ा होती है। इन भावों के साथ ही इन भावों के स्वामी-ग्रहों की स्थितियों व उन पर पाप-ग्रहों की दृष्टियों आदि को भी देखना समीचीन होता है।

रोगों के कारण- लग्न और लग्नेश संपूर्ण शरीर तथा मस्तिष्क का प्रतिनिधित्व करते हैं। लग्न में बैठे ग्रह भी व्याधि के कारक होते हैं। लग्नेश की अनिष्ट भाव में स्थिति या लग्नेश पर पाप-ग्रहों की दृष्टि भी रोग को उत्पन्न करने में सक्षम है ! जातक को अक्सर रोग कारक ग्रहों व रोग के भावों की विभिन्न दशाओं (महादशा, अन्तर्दशा, प्रत्यंतर दशा, गोचर, शनि की साढ़ेसाती तथा ढईया) में ग्रहों व भावों के अनुसार ही विभिन्न रोग प्राप्त होते हैं, साथ ही इन पर पाप ग्रहों का प्रभाव भी हो तो इन पाप प्रभाव के ग्रहों की दशा में रोग और भी अधिक उग्र हो जाते हैं। यदि चंद्रमा क्षीण अथवा निर्बल हो या चन्द्रलग्न में पाप ग्रह बैठे हों तो रोग सम्भावित है। यदि लग्न, चन्द्रमा एवं सूर्य तीनों पर ही पाप अथवा अशुभ ग्रहों का प्रभाव हो। यदि पाप ग्रह शुभ ग्रहों की अपेक्षा अधिक बलवान हों।

इन बीमारियों का कुण्डली में सावधानीपूर्वक अध्ययन करके इन रोगों का पूर्वानुमान द्वारा अनुकूल रत्न धारण करके, ग्रहशांति द्वारा, मंत्र आदि का जाप तथा रोग देने वाले अथवा स्वास्थ्य को कमजोर करने वाले ग्रहों के हस्तनिर्मित वैदिक यत्रों को लगा करके भी एक बड़े नुक्सान से काफी हद तक बचा जा सकता है।

जन्मकुंडली और वास्तु शास्त्र से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए आप हमसे ऑनलाइन हमारी वेबसाइट एस्ट्रोलॉजर योगेश डॉट कॉम के माध्यम से भी संपर्क कर सकते हैं।

डॉ योगेश , ज्योतिषाचार्य, मानसरोवर, जयपुर।
website- www.astrologeryogesh.com

अखण्ड कुमावत नारी युवा शक्ति द्वारा द्वितीय युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजित

अखण्ड कुमावत नारी युवा शक्ति के तत्वाधान में युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन बाबुल पैराडाइज, जयपुर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि युधिष्ठर कुमावत अध्यक्ष भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा व मुनेश गुर्जर महापौर नगर निगम जयपुर हैरिटेज ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती सुनीता जालवाल व मंच संचालन अमरचंद मंडावरा ने किया। समिति की अध्यक्षा संतोष बालोदिया ने अथितियों व समारोह अध्यक्षा का राजस्थानी परम्परा के अनुसार स्वागत किया। कार्यक्रम में युवक-युवतियों ने अपना परिचय दिया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि युधिष्ठिर कुमावत ने कहा कि परिचय सम्मेलनों का आयोजन होता रहना चाहिए ऐसे आयोजनों से रिश्ते करने में आसानी होती है। अखण्ड कुमावत नारी युवा शक्ति की अध्यक्षा श्रीमती संतोष बालोदिया और उनकी पूरी टीम बधाई की पात्र है जिन्होंने अपने अथक प्रयासों से यह कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम में अंत में समिति के अध्यक्ष संतोष बालोदिया, रेखा गैदर, अनीता छाबल्या व भावना दंबीवाल ने पधारे हुए सभी अतिथियों व समाजबंधुओं को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, जोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोरिया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल टोंक फाटक, जयपुर
वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, किशन मानपुरा, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, डोढसर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास
वि/143 श्री राकेश कुमावत,(आसीवाल), बनीपार्क, जयपुर

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

19 नवम्बर श्री राजेन्द्र प्रसाद ब्याडवाल, भूतेड़ा कुआं, जयपुर
19 नवम्बर श्री भगवान सहाय कारगवाल, करतापुरा फाटक, जयपुर
22 नवम्बर श्रीमती गुलाब देवी धर्मपत्नी स्व. श्री घासीराम बैथाड़िया, जयपुर
23 नवम्बर श्रीमती लता धर्मपत्नी श्री मदनलाल कुमावत, चंदरबदाई नगर, अजमेर
23 नवम्बर श्रीमती सूरज देवी धर्मपत्नी सव. श्री बिरदीचन्द खोरानिया, सोडाला,जयपुर
24 नवम्बर श्री रतनलाल नागौरा, मोतिलयों की बाड़ी, किशनगढ़, अजमेर
24 नवम्बर श्रीमती भगवती देवी धर्मपत्नी स्व. श्री केसरीमल टांक, निम्बाहेड़ा
26 नवम्बर श्री चांद बिहारी डाल, मांग्यावास, जयपुर
27 नवम्बर श्री भंवरलाल राजोरिया, श्याम वाटिका, मान्यावास, जयपुर
27 नवम्बर श्रीमती माधुरी धर्मपत्नी श्री योगेन्द्र धीरपुरिया, धावास, जयपुर
27 नवम्बर श्रीमती मनभर देवी धर्मपत्नी स्व. श्री रामसिंह राजोरिया, जयपुर
28 नवम्बर श्री रामकिशन अनावड़िया, खातीपुरा, जयपुर
28 नवम्बर श्रीमती रामप्यारी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री लक्ष्मीनारायण राजोरिया, जयपुर
3 दिसम्बर श्री लालचन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
4 दिसम्बर श्री कन्हैयालाल गैदर, सोडाला, जयपुर
5 दिसम्बर श्रीमती विमला देवी धर्मपत्नी स्व. श्री बाबूलाल तूंदवाल, चौमूं, जयपुर
5 दिसम्बर श्री नाथूलाल भौरोदिया (उस्ताद चंदन वाले), बिनोबा बस्ती, बरकत नगर,जयपुर
6 दिसम्बर श्री सोहन लाल धुंधारिया, टोडी, जयपुर
6 दिसम्बर श्रीमती कुन्ती देवी धर्मपत्नी स्व. मगनलाल कारगवाल, जयपुर
6 दिसमबर श्री विजेन्द्र घोड़ेला, कल्याण जी का रास्ता, जयपुर
7 दिसम्बर श्री रमेशचन्द वर्मा, सोडाला, जयपुर
10 दिसम्बर श्री भवानीशंकर वर्मा, जय जवान कॉलोनी-द्वितीय, जयपुर
10 दिसम्बर श्री मोहनलाल अनावडिया, शास्त्री नगर, जयपुर
11 दिसम्बर श्री मोहनलाल पुत्र स्व. श्री चौथमल कण्डेरीवाल, आजाद नगर, जयपुर
18 दिसम्बर श्रीमती कमला देवी धर्मपत्नी श्री ओमप्रकाश कुलचानिया, मालवीय नगर जयपुर

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
महेन्द्र	C.A.	Self	4.5.96	6'0''	बारावाल	माचीवाल	जलान्धरा	अनावड़िया	9829933282	अजमेर
सचिन	M.Com.	Self Medical shop	10.10.97	-	धुंधारिया	लोढ़या	बहोडिया	माचीवाल	9636335060	जयपुर
प्रशान्त	B. Tech	Project manager	13.07.97	5'8''	कारगवाल	मारवाल	सिरसवा	मारोठिया	8302006516	जयपुर
गैरव	M.Com. BEd.	Business	19.11.93	5'6''	धुंधारिया	सिरस्वा	कारगवाल	आईथान	9829017584	जयपुर
रचित	B. Tech. (Ele.)	Sr. Engi.	16.7.94	5'8''	टांक	खोराणिया	बबेरीवाल	मण्डावरा	9351767706	उदयपुर
निखिल	M. Tech. (Civil)	Privati company	14.9.91	5'9''	राहोरिया	खडकटा	बैरा	सारड़ीवाल	9001896014	जयपुर
तरुण	B.Tech. (CS)	Pvt. Company	2.6.93	5'6''	खाटूवाल	खोवाल	बधानिया	केकट्या	9079245552	जयपुर
पंकज	B.Com./TFA	Accounts work in depart.	18.10.92	5'8''	कुलचानिया	सिरस्वा	घोड़ेला	बरथनिया	9887024140	जयपुर
विज्की	B.Com. Dep. in cad	Cad designer	29.12.99	5'8''	कुण्डलवाल	सिरस्वा	मामेडिया	गोठवाल	8949906546	जयपुर
योगेश	M.Com.	Accountant	4.6.93	-	मारवाल	जायलवाल	खरक्टा	मारोठिया	9829813152	जयपुर
अनिरूद्ध	B.Tech. (Mech)	Compitition	13.11.96	5'8''	मारोठिया	सिरोहिया	कुण्डलवाल	लाम्बा	9828103125	जयपुर
मोहित	Diploma	Lab. Technician	15.4.96	5'4'	अजमेरा	गुडीवाल	मारोठिया	अनावडिया	9819177201	जयपुर
बाबूलाल	Diploma Civil Eng.	Civil Enginer	6.4.95	5'6''	किरोड़ीवाल	जालवाल	जलान्धरा	होदकास्या	8387923424	जयपुर
जगदीश	B.A.	Gold ami works	15.7.95	5'5''	बालोदिया	राहोरिया	सिरस्वा	जालवाल	9799422828	नागौर
नरेन्द्र	B.A.	Glass Work	2.9.96	-	खाटूवाल	किरोड़ीवाल	देवतवाल	मारवाल	7372918904	भरतपुर
कर्मवीर(तलाकशुदा)	B.A.,	Business	23.9.89	5'10''	माचीवाल	जालवाल	दोराया	अनावड़िया	9782476133	देवली
रामसिंह	B.A., RSCIT	-	7.5.95	5'7''	घोड़ेला	शुकनालिया	दहमीवाल	बबेरवाल	9578891080	सीमकाथाना
दीपक	B.A., ITI	Printing	10.6.91	5'7''	माचीवाल	देवतवाल	भातरा	खण्डारिया	9799386023	बूंदी

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
विनीता	M.Sc., Bed.	-	11.4.97	5'5''	घोड़ेला	भोड़ा	जालवाल	मारोठिया	9958880113	जयपुर
कुसुमलता	B.Tech.(Elec.)	Home Placement	29.9.96	5'6''	दम्बीवाल	काम्या	खोरानिया	भौरोदिया	9413211983	जयपुर
भानू	Maser of visual art	Beauty Salon onwer	5.8.98	5'4''	जलादरा	जालवाल	धुंधारिया	बोदिया	8000788131	जयपुर
श्वेता	M.A. Fashin deg.	Pvt.	9.12.92	5'3''	दौराया	खण्डारिया	राजोरिया	बासनीवाल	9785026188	जयपुर
जान्हवी(मांगलिक)	M.Com.,Webdeg.	PHP Developer	21.1.96	5'3''	बड़ीवाल	राहोरिया	मारवाल	गुड़ीवाल	9799414150	जयपुर
नीलम	B.A.,B.Ed.	-	17.6.95	5'0''	पलाड़िया	देवतवाल	कुण्डलवाल	नागोरा	7568903006	अजमेर
कविता	BCA,M.Sc.(CS)	-	7.10.93	5'7''	खाटूवाल	घोड़ेला	किरोड़ीवाल	नागा	9414354679	ब्यावर
वैष्णवी	B.Sc.,BTC	-	18.8.99	5'2''	धुंधारिया	बालोदिया	बिर्थलया	खाअूवाल	9719132191	देहली
आकांक्षा	M.Com., RSCIT	Teacher	7.5.97	5'5''	कुकड़वाल	बारीवाल	राहोरिया	जायलवाल	9588280031	अजमेर
डॉ. तृप्ती	MBBS,PGIO	Doctor	20.7.91	5'0''	मामोड़िया	कोलूगरिया	नीमीवाल	तूंदवाल	9784212594	जयपुर
निहारिका	MCA	Software	23.3.95	5'5''	दम्बीवाल	खोवाल	मोरवाल	करोड़ीवाल	6378159771	जयपुर
मनीषा	M.Com(ABST)	-	14.7.93	5'3''	बबेरीवाल	माचीवाल	देवतवाल	सिरस्वा	9828390772	जयपुर
ज़्याती	B.Tech (ECE)	Auditor	10.2.94	5'5''	घोड़ेला	भोड्या	जायलवाल	मारोठिया	9958880113	जयपुर
रवीना	M.Com., RSCIT	-	12.1.96	5'3''	मारवाल	अनावडिया	भडानिया	राहोरिया	9887231651	जयपुर
शज़्शी	M.Com.,	Pvt. Job	19.8.97	5'4''	खोवाल	खोवाल	धूमूनिया	भोरोदिया	9214232880	जयपुर
पारूल	B.TechSc.	Developer	6.5.95	5'4''	धमेरिया	बारावाल	बबेरीवाल	दम्बीवाल	9571188709	कोटा
सोनिया	B.Com, Graphic Disigner–		26.7.97	5'2''	होदकास्या	घोड़ेला	तून्दवाल	जालन्दरा	9887005416	जयपुर
माधुरी	M.A., B.Ed. CTET	-	23.7.94	5'3''	मारवाल	सिरोहिया	घोड़ेला	नागा	9521338433	जयपुर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है। नवीनतम अपेडेट जानकारी हेतु कृपया व्यक्तिगत सम्पर्क करें।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम **"कुमावत इंडिया पत्रिका"**

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्री:- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों, जनउपयोगी सूचना आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika @gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें।

-सम्पादक

आवश्यक सूचना

पत्रिकाएं नियमित रूप से हर माह की 25 तारीख को जयपुर से निर्धारित डाकघर में भेज दी जाती हैं। यदि किसी सदस्य को एक सप्ताह के अन्दर पत्रिका नहीं मिलती है तो आप अपने पोस्टमैन व पोस्ट मास्टर से शिकायत करें एवं हमें भी सूचित करें।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी आदि) की पुण्य तिथि 1/8 पेज में मल्टीकलर में फोटो सहित, शुल्क 500 रुपए एक बारीय अथवा 4000 रु. जमा कराकर 10 वर्ष तक प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

पता बदलने तथा पत्रिका नहीं मिलने पर मो. 9414554322 पर नया पता पिन कोड सहित व्हाट्सएप करें।

-: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में नि:शुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

सदस्यता समाप्ति सूचना

3 वर्षीय सदस्यता वाले सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री चन्द्रप्रकाश अजमेरा मो. 9928088815
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-श्री विशाल कम्प्यूटर्स, बरकत नगर महेश नगर फाटक के पास, जयपुर, मो. 94613-43432
13. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
14. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
15. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
16. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता 2022

जयश्री कुमावत को ताइक्कांडो चैंपियनशिप में प्रथम स्थान

निदेशक माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता 2022 गंगाशहर, बीकानेर में संपन्न हुई। इस प्रतियोगिता में कुमारी जयश्री कुमावत (कक्षा 8) पुत्री श्री कन्हैया लाल कुमावत (मारवाल) निवासी मदनगंज, अजमेर ने ताइक्कांडो चैंपियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने विद्यालय और कुमावत समाज का नाम रोशन किया है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार की ओर से हार्दिक बधाई।

समाज के प्रतिभावान पुलिस अधिकारीगण उप-अधीक्षक से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद पर पदोन्नत होने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

श्री लोकेन्द्र कुमावत

श्री हरीराम कुमावत

श्री सुरेन्द्र कुमावत

समाज के उम्मीदवारों को सेवाओं में चयनित होने पर बधाई

संजू कुमावत
ग्राम विकास अधिकारी

चेतन कुमावत
ग्राम विकास अधिकारी

अक्षिता कुमावत
नर्सिंग ऑफिसर
राजकोट एम्स

मनीष कुमावत
भारतीय वायु सेना
X-Group

गोविंद कुमावत का सीआईएसफ
व **खेमा राम कुमावत** का एयरफोर्स

आभार

हमारे पूज्य

श्री भवानीशंकर जी वर्मा

(आर्किटेक्ट)

का स्वर्गवास 10 दिसम्बर, 2022 को हो जाने पर समाज बन्धुओं, सगे सम्बन्धियों, शुभचिन्तकों, मित्रगणों एवं सामाजिक संस्थाओं, संगठनों के पदाधिकारियों ने व्यक्तिगत उपस्थित होकर तथा संवेदना संदेशों, दूरभाष, वाट्सएप, मोबाईल आदि द्वारा इस दुःख की घड़ी में हमें संबल दिया।

हम सभी परिवारजन आप सभी का आभार व्यक्त करते हैं।

आभारकर्ता

विद्या (पत्नी)। दामोदरलाल-शांति, स्व. मन्नालाल-मनोरमा (भ्राता-भ्राता पत्नी), रमेश-भारती, संजू-मीनाक्षी, संजय-अंजू, नितिन-रवीना (पुत्र-पुत्रवधु), आभास-कृति, अंकित-प्रियंका, अभिनंदन-रेणुका (पौत्र-पौत्रवधु) चिराग, चिनार, तनिष्क, प्रत्यक्ष, गरिमा (पौत्र-पौत्री), रेनू-डॉ. पी.एम. कुमावत, रीना-राजेंद्र (पुत्री-दामाद), सुरेश-पांखुरी (दोहिती दामाद-दोहिती), डॉ. विशेष, नंदादित्य (दोहित)

निवास : 60, जयजवान कालोनी-II, टोंक रोड, जयपुर। मो.: 9460870125

सुमित्रा कुमावत

(एडवोकेट)

पुत्री स्व. श्री छीतर जी ठेकेदार, गुढ़ा बैरसल
द डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन, जयपुर चुनाव में
उपाध्यक्ष निर्वाचित होने पर

कु. प्रियंका कुमावत

(बैडमिंटन परी)

पुत्री श्री राम निवास जी
हिमाचल में सिल्वर मैडल
जितने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छु : कुमावत (खड़गटा-धुंधारिया) जनमंगल सेवा ट्रस्ट

हेमचन्द खड़गटा (अध्यक्ष) कस्तूरमल कुमावत (सचिव) चेतन कुमावत (धुंधारिया) (उपाध्यक्ष) लालचन्द धुंधारिया (कोषाध्यक्ष)

एवं समस्त ट्रस्टीगण

85, अशोक विहार विस्तार, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302018
रजि. कार्यालय-2806, खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर-302004

नव वर्ष की हार्दिक शुभकामना

मेरी मंगल कामना है कि यह साल
आपके जीवन में सुख, समृद्धि एवं
खुशी लाए।

प्रो. बी.के. कुमावत

आजाद नगर, उज्जैन (म.प्र.)
मो. : 9229599028

श्रीमती शशि कुमावत

धर्मपत्नी श्री मनीष घोड़ीवाल का RPSC से
असिस्टेंट प्रोफेसर ABST कॉलेज एज्यूकेशन में
42वीं रैंक पर चयन होने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

शुभेच्छु

सन्तोष-ताराचन्द मारवाल (माता-पिता), नितिनजी भौंरोदिया-सुमन (School Lecturer) राज.उ.मा.विद्यालय, रोजवाडी, राजकमल मारवाल-तनुजा, मनीष मारवाल (Inspector-Cental GST, Coimbatore)- लीना, आशीष, किशन, दीपचन्द, गणेश एवं समस्त मारवाल परिवार

1बी-1, अर्जुन नगर साउथ, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर-302015 मो. 9772200699

स्व. 12.04.1979

श्री भौरीलाल घोड़ेला

स्व. 28.12.2021

डॉ. नेमीचन्द घोड़ेला

स्व. 27.10.2012

श्रीमती फूला देवी

हम सब परिवारजन सजल नयनों से सहृदय श्रद्धा सुमनांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

श्रीमती रूकमणी देवी (धर्मपत्नी), स्व. दीपक-मीना, प्रभुनारायण-दीफूला, प्रेमनारायण-इन्दिरा, गणेश-संजू (भ्राता-भ्राता वधु), श्रीमती मोना-भंवरजी खोरानिया (बहिन-बहनोई), मूली-स्व. ताराचन्द मोहब्या, राधा-मनोहर लाल मारवाल (बुआ-फुफाजी), मोहन-सुनीता, नवीन-लक्ष्मी, पवन-मधु, नीरज-गुडिया (पुत्र-पुत्रवधु), सोनू-राधेश्याम जी, मोनू-दीपक जी (पुत्री-दामाद), सुहानी, वर्षा, कमल, सुनील, कुणाल, यश, साहिल, कर्ण (पुत्र-पुत्रियां), रोहित, सचिन, नन्दू, चक्षु, पार्थ, टीना, रीतिका, पूर्वी (पौत्र-पौत्रियां)

म.नं. 420, बेलदारों की गली, आमेर रोड, जयपुर मो. : 7014774930, 9928010066

कोरोना फिर से

चीन के बीजिंग और शंघाई की सडकें सूनी पड़ी हुई है। शंघाई में स्कूल, कॉलेज बंद हैं। कोविड जांच केन्द्रों पर लम्बी लाईनें हैं। अस्पतालों में भर्ती की जगह नहीं बची। इस बार BF.7 वेरियेन्ट आया है। मुर्दाघर फुल हो गये हैं तथा अंतिम संस्कार में तीन से सात दिन की वेटिंग चल रही है। अपुष्ट जानकारी के अनुसार लाखों लोग चीन में कोरोना संक्रमित हैं। अस्पताल में दवाओं की भारी कमी है। चीन का दाव उसी पर फिर से भारी पड़ा है। सम्भावना जताई गई है कि कोरोना अन्य देशों में भी फैल सकता है। हम अपने मास्क को पुन: ढूंढकर रख लें तथा सेनेटाइजर सम्भाल लेवें, सामाजिक दूरी बना कर रखें। आपस में हाथ नहीं मिलाएं। यदि किसी को जरा सा भी संदेह हो तो तुरन्त जांच व ईलाज करायें। सावधानी ही सुरक्षा है। इसका ध्यान रखें।

– 'कुमावत इंडिया' पत्रिका टीम

श्रद्धांजलि

स्व. 15.01.2008

15वीं पुण्यतिथि

15 जनवरी 2023

स्व. श्री मनोहर सिंह जी कसुम्बीवाल

हम समस्त परिजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत

राजेश कुमार-मंजू, कमला देवी, त्रिलोक सिंह, विरेन्द्र सिंह, रोहित-गुंजन, दुर्गाबाई, विमला

हार्दिक ब्यूटी पार्लर

64, ग्रेटर कैलाश कॉलोनी, एपेक्स माल के पीछे, लाल कोठी, टोंक रोड, जयपुर-302015

मो. : 9828547080, फोन : 0141-2740892

स्व. 14.01.2017

स्व. श्री गोपाल लाल वर्मा (नागा)

6ठीं पुण्यतिथि

14 जनवरी, 2023

श्रद्धान्वत

पुत्र-पुत्रवधु : बृजेन्द्र-विजयलक्ष्मी, अरुण-हेमलता, भवानी-मीनाक्षी, सुनील-उर्मिला

पुत्री-पुत्री दामाद : विमल-सतीश, रेणु-महेश जी, अनुराधा

पौत्र-पौत्र वधु : लोमश-मीनाक्षी, पौत्र : मनन,लोकेश, रोहित

पौत्री-पौत्री दामाद : अदिति-कमलेश जी, ऋचा-मयूर जी, रोमा-धीरज जी, आकांक्षा-गौरव जी, पौत्री : मुस्कान

दोहिती-दोहिती दामाद : शिवी-भरत जी, दोहिता : गर्वित, मृगांक

पड़ पौत्र : हिमाक्ष, गितांश (गीत) एवं समस्त नागा परिवार

डी-114ए, शिवाड़ एरिया, बापू नगर, जयपुर मो. 9983340103, 0141-2709547

श्रद्धांजलि

श्री भवानीशंकर जी वर्मा

(आर्किटेक्ट)

तथा वरिष्ठ समाजसेवी का 10 दिसम्बर, 2022 को निधन हो जाने पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

कुमावत प्रगति ट्रस्ट के समस्त ट्रस्टी,

कुमावत इंडिया पत्रिका

के व्यवस्थापक एवं सम्पादक मण्डल सदस्य एवं

कुमावत इंडिया महिला क्लब की सभी सदस्या

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

श्री सौरभ नाईक कुमावत

B.Tech (Mechatronics) Bombay
M.Tech (ROBOTICS) Germany

पुत्र श्री मिलिन्द एवं सौ. गायत्री नाईक बनावडिया
निवासी पुणे (महाराष्ट्र)-411048

AMAZON Germany में Automation Enginer
के पद पर चयन होने पर नाना जी डा. रामजीलाल वर्मा-
नानी जी मनोहर देवी वर्मा की तरफ से

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

Contact No.: 9371053374

नववर्ष पर सभी समाज बंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएं

श्रीमती मेघना कुमावत
धर्मपत्नी श्री दिलीप जलान्धरा
जन्मदिन 17 जनवरी, 1980

अशीष कुमावत
जन्मदिन 17 जनवरी, 1986

मेरी बड़ी सुपुत्री मेघना व सुपुत्र आशीष कुमावत
को जन्मदिन पर
हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई
शुभेच्छु
ताऊजी-ताईजी : रूपचंद-पार्वती,
पिता-माता : राम प्रकाश मारवाल-सुनीता,
चाचा-चाची : राजकुमार-उमा, जयसिंह-कौशल्या,
सत्य प्रकाश-शकुंतला एवं समस्त मारवाल परिवार

कुश
(सुपुत्र आशीष-प्रियंका मारवाल)
के द्वितीय जन्मदिन
26 जनवरी, 2023 पर
हार्दिक शुभकामनाएं
और बधाई

शुभेच्छु
दादा- दादी : रामप्रकाश-सुनीता
एवं समस्त मारवाल परिवार

Apana Ashiyana (Girla P.G.) | Ashish Consultant
433-ए, परशुराम पार्क, सूर्य नगर, रिलायंस फ्रेश के पीछे रिद्धि-सिद्धि चौराहा, गोपालपुरा बाई पास, जयपुर-302015 मो. : 9717037470, 9414074376

Happy New Year 2023

स्व. विनोद बालोदिया
9829059312

चेतन बालोदिया
9414052736

सुनील बालोदिया
9928910068

रवि बालोदिया
9829436551

A COMPLETE PRINTING SOLUTION

Raj Blocks

Since-1977

OFFSET PRINTERS

• Books • Magazine • Brochures • Catalogue • Flex, Vinayle • Envelops • Letter Head
• Event Tickets • Certificates • Invitation Card • Menu Card • Poster • Calender
• Packazing Box • UV & Leaf with Special Effects

B-81, Road No.4, 22 Godown Industrial Area,
Kartarpura, Jaipur, 0141 - 4022538
rajblocks@yahoo.com | rajblocksjpr@gmail.com
rajprintlinejpr@gmail.com | rajprintlinejpr@yahoo.co.in

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एम. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018